RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

नवसर्जन संस्कृति

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 141
दि. 20.09.2025,
शनिवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : VINOD KUMARI Regd. Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Centre, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad-382 424, Gujarat, India.

Phone : 76983 33307 (M) 84859 51747, 70963 33307 ● Email : navsarjansanskruti2016@gmail.com ● Email : navsarjansanskruti2016@yahoo.com ● Website : www.navsarjansanskruti.com

आज गुजरात में पीएम मोदी, 34200 करोड़ की देंगे सौगात, समुद्र से समृद्धि कार्यक्रम में शिरकत भी करेंगे

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज अपने गृह राज्य गुजरात के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान पीएम मोदी समुद्र से समृद्धि कार्यक्रम में शिरकत करेंगे और 34 हजार 200 करोड़ की विकास योजनाओं की सौगात देंगे। पीएम मोदी यहां एक कार्यक्रम को भी संबोधित करेंगे। उनका ये दौरा नेवी के क्षेत्र में अहम है। इंदिरा डॉक पर प्रधानमंत्री मोदी मुंबई इंटरनेशनल क्रूज टर्मिनल का भी उद्घाटन करेंगे। अपने इस गुजरात दौरे के दौरान प्रधानमंत्री मोदी धोलेरा का एरियल सर्वे भी करेंगे।

भावनगर के कलेक्टर मनीष कुमार बंसल ने कहा, "प्रधानमंत्री मोदी 20 सितंबर को भावनगर आएंगे। वह जवाहर मैदान में लोगों को संबोधित करेंगे। इस अवसर पर वह बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग

मंत्रालय, गुजरात समुद्री बोर्ड और अन्य राज्यों के समुद्री बोर्ड की विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे।" उन्होंने कहा, "प्रधानमंत्री द्वारा इस क्षेत्र से संबंधित एक नीति की भी शुरूआत करने का कार्यक्रम है।" उन्होंने बताया कि इस दौरान इस क्षेत्र की सरकारी और निजी संस्थाओं के बीच समझौता ज्ञापनों पर भी हस्ताक्षर किए जाएंगे।"

धोलेरा का हवाई सर्वे करेंगे

पीएम मोदी भावनगर में सुबह लगभग 10:30 बजे 34,200 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। वे इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को भी संबोधित करेंगे।

इसके बाद, वह धोलेरा का हवाई सर्वेक्षण करेंगे। दोपहर लगभग 1:30 बजे, वह एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करेंगे और लोथल स्थित राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर का दौरा करेंगे।

सीएम योगी ने की समीक्षा बैठक, बोले- त्योहारों का समय संवेदनशील, अलर्ट रहें अधिकारी

लखनऊ (जीएनएस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आगामी त्योहारों का समय शांति, सुरक्षा और सुशासन के दृष्टिगत संवेदनशील है, लिहाजा जिलों में पुलिस और प्रशासन को लगातार अलर्ट रहना होगा। लोगों की सुरक्षा, सुविधा का ध्यान रखा जाए। प्रदेश सरकार की जिम्मेदारी हर आम आदमी को सुरक्षा देने की है। शरारती तत्व दूसरे संप्रदाय के लोगों को उत्तेजित करने की साजिश कर सकते हैं, ऐसे मामलों पर नजर रखें। पिछले अनुभवों से सीख लें।

योगी शुक्रवार को अपने सरकारी आवास पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कानून-व्यवस्था एवं आगामी त्योहारों की तैयारियों की समीक्षा कर रहे थे।सीएम ने कहा कि मिशन शक्ति के तहत 21 सितंबर की शाम हर जिले में महिला पुलिसकर्मियों की बाइक रैली निकाली जाए। वहीं 22 सितंबर से सार्वजनिक स्थलों, बालिका विद्यालयों आदि जगहों पर एंटी रोमियो स्क्वायड द्वारा शोहदों को चिह्नित करते हुए प्रभावी कार्रवाई की जाए।

सीएम ने कहा कि माहौल खराब करने की कोशिश करने वालों के साथ सख्ती की जाए। किसी भी तरह का उपद्रव नहीं होना चाहिए। अराजक तत्वों एवं उपद्रवियों को उनकी भाषा में ही जवाब दिया जाए। सोशल मीडिया पर चौकसी बढाएं। बैठक के दौरान मुख्य सचिव, डीजीपी के साथ संबंधित विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव और सभी जोन, रेंज व जिलों में फील्ड में तैनात अधिकारी मौजूद रहे।

हर शहर का बनाएं ट्रैफिक प्लान

सीएम ने कहा कि बीते वर्षों में सभी त्योहार शांति और सौहार्द के साथ संपन्न हुए हैं। टीमवर्क और जनसहयोग से यह सिलसिला बरकरार रखें। हर शहर की जरूरत के अनुसार ट्रैफिक प्लान बनाएं। छोटी सी घटना लापरवाही से बड़े विवाद का रूप ले सकती है, ऐसे में अतिरिक्त सतर्कता जरूरी है।

संक्षिप्त समाचार

प्रधानमंत्री ने प्रसिद्ध गायक जुबीन गर्ग के आकस्मिक निधन पर शोक व्यक्त किया

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने प्रसिद्ध गायक जुबीन गर्ग के आकस्मिक निधन पर शोक व्यक्त किया है। श्री मोदी ने कहा कि संगीत में उनके अमूल्य योगदान के लिए उन्हें सदैव याद किया जाएगा। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा: "प्रसिद्ध गायक जुबीन गर्ग के आकस्मिक निधन से स्तब्ध हूँ। संगीत में उनके अमूल्य योगदान के लिए उन्हें सदैव याद किया जाएगा।

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने विशेष अभियान 4.0 सफलतापूर्वक संपन्न किया एवं विशेष अभियान 5.0 के लिए तैयार

(जीएनएस)।

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने विशेष अभियान 4.0, प्रभावशाली परिणामों के साथ सफलतापूर्वक संपन्न कर लिया है। इसमें शासन—प्रशासन में भारत सरकार के पारदर्शिता, दक्षता एवं स्वच्छता के सिद्धांतों पालन किया गया है। अभियान के उद्देश्यों के अनुरूप, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने लगातार ऐसी गतिविधियॉ चलाईं जिनसे जन शिकायतों के त्वरित निपटारे, बेहतर रिकॉर्ड प्रबंधन, कार्यालय के स्थान के अधिकतम उपयोग एवं जन सेवा निस्तारण को बढ़ाने में सफलता मिली है। विशेष अभियान 4.0 के दौरान उल्लेखनीय उपलब्धियां रिर्कार्ड की गई हैं जिनमें शामिल हैं— सांसदों द्वारा भेजे गए 37 संदर्भों का सफल निस्तारण, प्रधानमंत्री कार्यालय से प्राप्त 25 मामले, 02 संसदीय आश्वासन, दो अंतर मंत्रालयीन संदर्भ (मंत्रिमंडलीय प्रस्ताव), 268 जन

शिकायत एवं जन शिकायतों पर अपीलों का 100 प्रतिशत निस्तारण।

इनके साथ ही पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने महत्वपूर्ण स्वच्छता एवं रिकॉर्ड प्रबंध उपायों को भी लागू किया है। मंत्रालय एवं इसके 11 संस्थानों द्वारा 74 स्वच्छता मुहिम चलाई गईं जिसके परिणामस्वरूप 2000 वर्गफीट कार्यालय की जगह खाली प्राप्त हुई। इसके बेहतर रिकॉर्ड प्रबंध तथा कार्यालय अनुकूलन जैसे उपाय किए गए। अभियान के दौरान कबाड़ के निस्तारण द्वारा मंत्रालय ने 6.25 लाख रूपए राजस्व भी अर्जित किया। पिछली उपलब्धियों को आगे बढ़ाते हुए पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय विशेष अभियान 5.0 के अंतर्गत अनेक नई गतिविधियां करने को सन्नद्ध है। यह गतिविधियां 02 अक्तूबर, 2025 से 31 अक्तूबर, 2025 तक मंत्रालय के सभी संस्थानों द्वारा प्रशासनिक सुधार एवं जन शिकयत विभाग के निकट समन्वय सहित की जाएंगी। इस बारे में पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय में संयुक्त सचिव श्री डी. सेंथिल पांडियन ने मंत्रालय के सभी संस्थानों के संपर्क अधिकारियों के साथ विशेष अभियान 5.0 एवं स्वच्छता ही सेवा मुहिम 2025 का खाका बनाने के लिए वर्चुअल बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में श्री पांडियन ने अग्रसक्रिय प्रशासन के महत्व को रेखांकित किया। उनका कहना था कि हाथों हाथ रिकॉर्ड प्रबंध, स्वच्छता एवं जन सेवा निस्तारण प्रणाली में सुधार लाना ही पारदर्शी एवं प्रभावी प्रशासन की बुनियाद हैं। आगामी विशेष अभियान 5.0 में कम्प्यूटरों, लैपटॉप एवं प्रिंटरों के लिए विशेष ई—कचरा निस्तारण अभियान पर ध्यान दिया जाएगा। यह अभियान 2022 के ई—कचरा प्रबंध नियमों के तहत होगा। इसके साथ ही संसदीय आश्वासनों, मंत्रिमंडलीय नोट एवं राज्य सरकारों द्वारा संदर्भित मामलों के त्वरित अनुपालन, सभी कार्यालयों एवं फील्ड कार्यालयों में सतत सफाई अभियान, रिकॉर्ड प्रबंध प्रणाली को सुव्यवस्थित करने एवं उपलब्ध स्थान के अधिकतम प्रयोग से बेहतर दक्षता पाने एवं सीपीग्राम्स के माध्यम से जन शिकायतों के समयबद्ध निस्तारण पर जोर दिया जाएगा।

विकसित भारत @2047: छावनी बोर्डों के लिए रोडमैप तैयार करने हेतु 'मंथन 2025' नामक दो दिवसीय सम्मेलन नई दिल्ली में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ

मुख्य बिंदुओं में 2030 तक कार्बन-न्यूट्रल छावनी, 2035 तक स्मार्ट छावनी, समावेशी विकास, जीवन में आसानी एवं व्यापार करने में सुगमता और डिजिटल प्रथम सेवा वितरण का लक्ष्य शामिल हैं

(जीएनएस)।

सरकार के 'विकसित भारत @2047' विजन के अनुरूप, छावनी बोर्डों के लिए रोडमैप तैयार करने हेतु भारतीय रक्षा संपदा सेवा (आईडीईएस) अधिकारियों का दो दिवसीय सम्मेलन मंथन 2025 19 सितंबर, 2025 को नई दिल्ली में संपन्न हुआ। इस अवसर पर रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने 18 सितंबर को उद्घाटन सत्र में अधिकारियों को संबोधित किया। उन्होंने अधिकारियों से छावनी बोर्डों को स्मार्ट, हरित एवं टिकाऊ शहरी इकोसिस्टम में रूपांतरित करने के लिए प्रेरित किया और वर्ष 2035 तक इस लक्ष्य की प्राप्ति हेतु ठोस प्रयासों का आ'ान किया।

भूमि संसाधन विभाग के सचिव श्री मनोज जोशी, भारत के अटॉर्नी जनरल श्री आर. वेंकटरमानी (वर्चुअल माध्यम से) और भारत के उप नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक श्री सुबीर मलिक जैसे प्रतिष्ठित मुख्य वक्ताओं की बहुमूल्य अंतर्दृष्टि ने अधिकारियों को निर्धारित उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्रदान किया।

दो दिवसीय सम्मेलन की मुख्य बातें इस प्रकार हैं:

1. 2030 तक कार्बन न्यूट्रल छावनी

नवीकरणीय ऊर्जा ग्रिड, रूफटॉप सौर ऊर्जा, बायो-गैस एवं अपशिष्ट-से-ऊर्जा संयंत्रों के माध्यम से शुद्ध-शून्य उत्सर्जन हासिल करना;

ईवी चार्जिंग हब, हरित परिवहन व बड़े पैमाने पर वनरोपण को प्रोत्साहित करना;

कार्बन ऑडिट तथा वार्षिक स्थिरता रिपोर्टिंग को संस्थागत बनाना।

2. 2035 तक स्मार्ट छावनी

डिजिटल रूप से सक्षम, हरित और नागरिक-अनुकूल इकोसिस्टम का निर्माण करना

स्मार्ट पावर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित निगरानी, ई-मोबिलिटी और जल पुनर्चक्रण का एकीकरण करना

आधुनिक सुविधाओं के साथ विरासत संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित करना।

3. समावेशी विकास और जीवन यापन में आसानी

गरीबों, वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगजनों और विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए।

बाधा-मुक्त बुनियादी ढांचे एवं समावेशी सामाजिक सुविधाओं का विकास किया जाए।

छावनियों को करुणामय और उत्तरदायी शासन का आदर्श स्वरूप बनाया जा सके।

4. डिजिटल प्रथम सेवा वितरण

ई-छावनी 2.0 को एआई-संचालित शिकायत निवारण, बहुभाषी समर्थन और टेली-हेल्थ सेवाओं सहित स्मार्ट स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ उन्नत किया जाए।

नागरिक सेवाओं को 100% ऑनलाइन बनाते हुए स्मार्ट डैशबोर्ड के माध्यम से प्रभावी निगरानी सुनिश्चित की जाए।

दक्षता और पारदर्शिता को सुदृढ़ करने हेतु डेटा-आधारित निर्णय प्रक्रिया को संस्थागत बनाया जाए।

5. वित्तीय लचीलापन और संस्थागत मजबूती

नवीन राजस्व स्रोतों के माध्यम से वित्तीय रूप से आत्मनिर्भर छावनी बोर्ड का निर्माण हो।

पीपीपी मॉडल, ग्रीन बॉन्ड और उपयोगकर्ता शुल्क जैसे विकल्पों का अन्वेषण किया जाए।

सुधारों की स्थिरता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एक सुदृढ़ राजकोषीय ढांचा विकसित किया जाए।

प्रधानमंत्री के साथ सिख संगत की बैठक में प्रसिद्ध गायिका हर्षदीप कौर ने मूल मंत्र का सुंदर गायन प्रस्तुत किया

प्रसिद्ध गायिका हर्षदीप कौर ने आज सिख संगत के साथ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। श्री मोदी ने कहा, "सिख संगत के साथ बैठक में प्रसिद्ध गायिका हर्षदीप कौर ने मूल मंत्र का एक सुंदर गायन प्रस्तुत किया।"एक्स पर एक पोस्ट में श्री मोदी ने कहा: सिख संगत के साथ बैठक में प्रसिद्ध गायिका हर्षदीप कौर ने मूल मंत्र का एक सुंदर गायन प्रस्तुत किया...

केंद्रीय राज्य मंत्री श्री कीर्ति वर्धन सिंह ने आज गोंडा में वृक्ष उत्पादक मेले का उद्घाटन किया

वृक्षों की उत्पादकता समाज और पर्यावरण के लिए जीवन रेखा है; समुदाय को भावी पीढ़ियों को सुरक्षित रखने के लिए वृक्षारोपण के लिए प्रतिबद्ध होना चाहिए: श्री के.वी. सिंह

(जीएनएस)।

केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री श्री कीर्ति वर्धन सिंह ने आज उत्तर प्रदेश के गोंडा स्थित जिला पंचायत सभागार में आईसीएफआरई-पारिस्थितिक पुनरुद्धार केंद्र, प्रयागराज द्वारा आयोजित वृक्ष उत्पादक मेले का उद्घाटन किया।

उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए श्री सिंह ने कहा कि वृक्षों की उत्पादकता केवल कृषि भूमि या आय

सृजन तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह समाज और पर्यावरण, दोनों के लिए जीवन रेखा है। उन्होंने कहा, "रोपा गया प्रत्येक पेड़ स्वच्छ वायु, जल सुरक्षा और बेहतर स्वास्थ्य में योगदान देता है। गांवों में बढ़ती हरियाली पक्षियों और अन्य प्रजातियों सहित जैव विविधता के संरक्षण में भी मदद करती है।"

1965 के युद्ध की हीरक जयंती: रक्षा मंत्री ने 60 वर्ष पूर्व पाकिस्तान पर भारत की विजय के उपलक्ष्य में युद्ध नायकों के परिवारों और पूर्व सैनिकों से परस्पर बातचीत की

"प्रत्येक भारतीय सैनिक इस भावना के साथ सेवा करता है कि राष्ट्र की संप्रभुता और अखंडता से किसी भी कीमत पर समझौता नहीं किया जाएगा"

"ऑपरेशन सिंदूर ने हमारे शत्रुओं को दिखाया कि भारत कितना शक्तिशाली है, यह इस बात का प्रमाण है कि हम अपनी नियति स्वयं रचते हैं"

श्री राजनाथ सिंह ने सेवारत सैनिकों, पूर्व सैनिकों, उनके आश्रितों और शहीद नायकों के परिवारों के कल्याण के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई

(जीएनएस)।

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने 19 सितंबर, 2025 को वर्ष 1965 के युद्ध के वीर सैनिकों और शहीद नायकों के परिवारों के साथ परस्पर बातचीत की। यह कार्यक्रम भारतीय सेना द्वारा

नई दिल्ली के साउथ ब्लॉक में साठ वर्ष पूर्व पाकिस्तान पर भारत की विजय की हीरक जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था। रक्षा मंत्री ने अपने संबोधन में कर्तव्य पथ पर सर्वोच्च बलिदान देने वाले और शक्ति परीक्षण में भारत की विजय सुनिश्चित करने वाले वीरों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा, "पाकिस्तान ने सोचा था कि वह घुसपैठ, गुरिल्ला रणनीति और आश्चर्यजनक हमलों के माध्यम से हमें भयभीत कर सकता है, लेकिन उसे यह नहीं पता था कि प्रत्येक भारतीय सैनिक इस भावना के साथ मातृभूमि की सेवा करता है कि राष्ट्र की संप्रभुता और अखंडता से किसी भी कीमत पर समझौता नहीं किया जाएगा।"

श्री राजनाथ सिंह ने युद्ध के दौरान लड़ी गई विभिन्न लड़ाइयों, जिनमें असल उत्तर की लड़ाई, चाविंडा की लड़ाई और फिलोरा की लड़ाई शामिल हैं, में भारतीय सैनिकों द्वारा प्रदर्शित अद्वितीय वीरता और देशभक्ति पर प्रकाश डाला। उन्होंने परमवीर चक्र विजेता कंपनी क्वार्टर मास्टर हवलदार अब्दुल हमीद के अदम्य साहस और वीरता का विशेष उल्लेख किया, जिन्होंने असल उत्तर की लड़ाई के दौरान मशीन गन और टैंक की गोलाबारी की निरंतर बौछार के बीच शत्रु के असंख्य टैंकों को नष्ट करते हुए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। उन्होंने कहा, "हमारे बहादुर अब्दुल हमीद ने हमें सिखाया कि वीरता हथियार के आकार पर नहीं, बल्कि हृदय के आकार पर निर्भर करती है। उनकी वीरता हमें सिखाती है कि सबसे कठिन परिस्थितियों में भी, साहस, संयम और देशभक्ति का मेल असंभव को भी संभव बना सकता है।"

जोगेश्वरी (एटी) पर 'स्वच्छता ही सेवा अभियान-2025'के अंतर्गत श्रमदान कार्यक्रम का आयोजन

मुंबई, पश्चिम रेलवे के मुंबई सेंट्रल मंडल द्वारा 'स्वच्छता ही सेवा अभियान-2025' के अंतर्गत जोगेश्वरी (एटी) पर सफलतापूर्वक एक श्रमदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस पहल को मंडल रेल प्रबंधक श्री पंकज सिंह तथा अपर मंडल रेल प्रबंधक (अउऋ्ट) सहित वरिष्ठ अधिकारियों का सक्रिय समर्थन एवं सहयोग प्राप्त हुआ। इस कार्यक्रम में उत्साहपूर्ण भागीदारी देखने को मिली, जो एकता एवं स्वच्छता के प्रति समर्पण की भावना को दर्शाती है।

पश्चिम रेलवे के मुंबई सेंट्रल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक (DRM) श्री पंकज सिंह वरिष्ठ रेल अधिकारियों, कर्मचारियों एवं एनडीआरएफ टीम के साथ जोगेश्वरी (एटी) पर आयोजित स्वच्छता

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मुंबई सेंट्रल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री पंकज सिंह, अनेक वरिष्ठ रेल अधिकारी एवं कर्मचारी, साथ ही नेशनल डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स (ठअफ्रक्र) के सदस्य इस अभियान में सक्रिय रूप से शामिल हुए। सामूहिक सहभागिता और समन्वय का यह अनूठा उदाहरण स्वच्छता के प्रति पश्चिम रेलवे की साझा प्रतिबद्धता को उजागर करता है।

इस अवसर पर श्री पंकज सिंह ने उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए कहा कि सार्वजनिक स्थानों की स्वच्छता और उन्हें स्वास्थ्यवर्धक बनाए रखना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। उन्होंने दीर्घकालिक स्थायित्व हेतु स्वच्छता संबंधी अच्छी आदतों को अपनाने तथा समाज में जागरूकता फैलाने की आवश्यकता पर विशेष बल दिया। रेलवे कर्मचारियों एवं एनडीआरएफ टीम की सक्रिय और उत्साही भागीदारी ने इस अभियान को सफल एवं सार्थक बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

इस पहल ने एक बार फिर पश्चिम रेलवे की स्वच्छ, स्वस्थ और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने की दृढ़ प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से पश्चिम रेलवे न केवल पर्यावरणीय उत्तरदायित्व निभा रहा है, बल्कि स्वच्छ भारत अभियान के राष्ट्रीय लक्ष्य की प्राप्ति में भी सक्रिय योगदान दे रहा है।

सहकारिता मंत्रालय के सचिव डॉ. आशीष कुमार भूटानी ने आज सहकारी बैंकों को आधार-सक्षम भुगतान सेवाओं से जोड़ने हेतु नई दिल्ली में आयोजित कार्यशाला में भाग लिया

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा प्रस्तुत 'सहकार से समृद्धि' के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने में यह एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जिसे केंद्रीय सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह निरंतर आगे बढ़ा रहे हैं

आधार-सक्षम सेवाओं को अपनाने के उपरांत सहकारी बैंक और अधिक सशक्त, आधुनिक तथा सक्षम संस्थान बन जाएंगे

सहकारी बैंक आत्मनिर्भर वित्तीय संस्थान बनकर आधार-सक्षम डिजिटल सेवाओं की आपूर्ति क्षमता को और अधिक सुदृढ़ करेंगे

इससे ग्रामीण और अर्ध-शहरी भारत में वित्तीय समावेशन की पहुंच में उल्लेखनीय वृद्धि होगी

भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण ने सहकारी बैंकों को शामिल करने और अंतिम छोर तक बैंकिंग एवं डिजिटल समावेशन को बढ़ावा देने के लिए एक नया सरल ढांचा प्रस्तुत किया है

इस ढांचे के अंतर्गत देशभर के 34 राज्य सहकारी बैंक और 351 जिला केंद्रीय सहकारी बैंक सम्मिलित हैं

(जीएनएस)। सहकारिता मंत्रालय के सचिव डॉ. आशीष कुमार भूटानी ने आज सहकारी बैंकों को आधार-सक्षम भुगतान सेवाओं से जोड़ने हेतु वकऊअक(भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण) के संशोधित ढांचे पर नई दिल्ली में आयोजित कार्यशाला में भाग लिया। इस कार्यशाला में वकऊअक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री भुवनेश कुमार, नाबार्ड के अध्यक्ष श्री शाजी के. वी., एवं सहकारिता मंत्रालय, UIDAI, NPCI (भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम) तथा नाबार्ड के अधिकारीगण सम्मिलित हुए। देशभर के सभी 34 राज्य सहकारी बैंकों (StCBs) और 351 जिला केंद्रीय सहकारी बैंकों (DCCBs) के प्रतिनिधि तथा 500 से अधिक प्रतिभागियों ने वर्चुअल माध्यम से कार्यशाला में भाग लिया।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए सहकारिता मंत्रालय के सचिव डॉ. आशीष कुमार भूटानी ने कहा कि यह पहल प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा प्रस्तुत 'सहकार से समृद्धि' के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जिसे केंद्रीय गृह मंत्री एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के गतिशील नेतृत्व में साकार किया जा रहा है।

दुबई में आयोजित 28वें यूनिवर्सल पोस्टल कांग्रेस में भारत यूपीयू की प्रशासन परिषद (सीए) और डाक संचालन परिषद (पीओसी) के लिए पुनः निर्वाचित

यह पुनर्निर्वाचन डाक सुधार, डिजिटल परिवर्तन और वैश्विक सहयोग में भारत के नेतृत्व को रेखांकित करता है।

(जीएनएस)।

संयुक्त अरब अमीरात के दुबई में आयोजित 28वें यूपीयू कांग्रेस के दौरान भारत को यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन (यूपीयू) की प्रशासन परिषद (सीए) और डाक संचालन परिषद (पीओसी) के लिए पुनः निर्वाचित किया गया है।

संयुक्त राष्ट्र की एक विशेष एजेंसी यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन डाक क्षेत्र के हितधारकों के बीच सहयोग का प्राथमिक मंच है। सीए नीति, नियामक और शासन संबंधी मामलों के लिए ज़िम्मेदार है। जबकि पीओसी तकनीकी और परिचालन निकाय है। यह दुनिया भर में डाक सेवाओं के आधुनिकीकरण को संचालित करता है।

भारत का पुनः निर्वाचित होना भारतीय डाक के नेतृत्व, सुधारों और नवीन डिजिटल पहलों में अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के विश्वास को दर्शाता है। भारत 1876 से यूपीयू का सदस्य रहा है और वैश्विक डाक नेटवर्क को मजबूत बनाने में निरंतर योगदान देता रहा है।

पिछले कांग्रेस में भारत ने डिजीपिन (डिजिटल एड्रेसिंग), यूपीआई-सक्षम सीमा-पार प्रेषण और डाक घर निर्यात केंद्रों के माध्यम से ई-कॉमर्स सुविधा जैसी डिजिटल परिवर्तन पहलों का समर्थन किया है। एशिया, अफ्रीका और अन्य क्षेत्रों के डाक अधिकारियों को विशेष प्रशिक्षण प्रदान करके भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग (आईटीईसी) कार्यक्रम के अंतर्गत क्षमता निर्माण और दक्षिण-दक्षिण सहयोग के लिए मजबूत समर्थन दिया है। भारत ने अपने सदस्यता योगदान और स्वैच्छिक निधि के माध्यम से संघ की वित्तीय स्थिरता में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। पिछले कांग्रेस में शुरू की गई इन पहलों को आगे बढ़ाते हुए, भारत नवाचार, समावेशिता और वैश्विक सहयोग के लिए नई प्रतिबद्धता के साथ दुबई में इन प्रयासों को बढ़ाना और विस्तारित करना जारी रखेगा।

इस पुनर्निर्वाचन के साथ भारत वैश्विक डाक क्षेत्र के भविष्य को आकार देने, नवाचार, समावेशिता और विकास को बढ़ावा देने में सक्रिय भूमिका निभाता रहेगा। भारत ने आगामी दौर के दौरान प्रशासन परिषद में नेतृत्वकारी भूमिका निभाने की भी इच्छा व्यक्त की है।

केन्द्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने नवागढ़ से हरी झंडी दिखाकर, 7 जोड़ी ट्रेनों के ठहराव का किया शुभारंभ

माननीय केंद्रीय श्रम, रोजगार, युवा मामले और खेल मंत्री, भारत सरकार डॉ. मनसुख मांडविया ने माननीय विधायक - जेतपुर श्री जयेशभाई रादडिया, नगरपालिका प्रमुख नवागढ़ (जेतपुर) श्रीमती मेनाबेन राजेशभाई उसदड़िया एवं अन्य गणमान्य महानुभावों की गरिमामयी उपस्थिती में 19 सितम्बर, 2025 (शुक्रवार) को नवागढ़ रेलवे स्टेशन से वेरावल-जबलपुर एक्सप्रेस ट्रेन (11463) को हरी झंडी दिखाकर विभिन्न स्टेशनों पर मिले 7 जोड़ी ट्रेनों के अतिरिक्त ठहराव का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर भावनगर मंडल के अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री हिमाँशु शर्मा के साथ मंडल के अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण, रेलवे कर्मचारी, नवागढ़ की जनता, रेल यात्री तथा मीडिया प्रतिनिधी उपस्थित रहे।

भावनगर डिविजन के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अतुल कुमार त्रिपाठी के अनुसार इन सभी ट्रेनों का विस्तृत विवरण निम्नानुसार हैः-

1. ट्रेन नंबर 11464 जबलपुर-वेरावल एक्सप्रेस (सोमवार और शुक्रवार को छोड़कर सप्ताह में 5 दिन) का 18.09.2025 से नवागढ़ स्टेशन पर आगमन और प्रस्थान समय क्रमशः 14.02/14.03 बजे रहेगा। इसी प्रकार, ट्रेन नंबर 11463 वेरावल-जबलपुर एक्सप्रेस (सोमवार और शनिवार को छोड़कर सप्ताह में 5 दिन) का 19.09.2025 से नवागढ़ स्टेशन पर आगमन और प्रस्थान समय क्रमशः 12.00/12.01 बजे रहेगा।

2. ट्रेन नंबर 11466 जबलपुर-सोमनाथ एक्सप्रेस (सोमवार और शुक्रवार) का 19.09.2025 से नवागढ़ स्टेशन पर आगमन और प्रस्थान समय क्रमशः 14.02/14.03 बजे रहेगा। इसी प्रकार, ट्रेन नंबर 11465 वेरावल-जबलपुर एक्सप्रेस (सोमवार और शनिवार) का 20.09.2025 से नवागढ़ स्टेशन पर आगमन और प्रस्थान समय क्रमशः 12.00/12.01 बजे रहेगा।

3. ट्रेन नंबर 19252 ओखा-वेरावल एक्सप्रेस (प्रतिदिन) का 19.09.2025 से नवागढ़ स्टेशन पर आगमन और प्रस्थान समय क्रमशः 02.33/02.34 बजे रहेगा। इसी प्रकार, ट्रेन नंबर 19251 वेरावल-ओखा एक्सप्रेस (प्रतिदिन) का 19.09.2025 से नवागढ़ स्टेशन पर आगमन और प्रस्थान समय क्रमशः 00.57/0058 बजे रहेगा।

4. ट्रेन नंबर 19320 इंदौर-वेरावल एक्सप्रेस साप्ताहिक का 23.09.2025 से नवागढ़ स्टेशन पर आगमन और प्रस्थान समय क्रमशः 13.08/13.09 बजे रहेगा। इसी प्रकार, ट्रेन नंबर 19319 वेरावल-इंदौर एक्सप्रेस साप्ताहिक का 24.09.2025 से नवागढ़ स्टेशन पर आगमन और प्रस्थान समय क्रमशः 00.01/00.02 बजे रहेगा।

5. ट्रेन नंबर 12946 बनारस-वेरावल एक्सप्रेस का 24.09.2025 से जेतपुर स्टेशन पर आगमन और प्रस्थान समय क्रमशः 15.39/15.40 बजे रहेगा। इसी प्रकार, ट्रेन नंबर 12945 वेरावल-बनारस एक्सप्रेस का 22.09.2025 से जेतपुर स्टेशन पर आगमन और प्रस्थान समय क्रमशः 06.21/06.22 बजे रहेगा।

6. ट्रेन नंबर 19203 बान्द्रा(टर्मि.)-वेरावल एक्सप्रेस का 20.09.2025 से जेतपुर स्टेशन पर आगमन और प्रस्थान समय क्रमशः 09.46/09.47 बजे रहेगा। इसी प्रकार, ट्रेन नंबर 19204 वेरावल-बान्द्रा(टर्मि.) एक्सप्रेस का 19.09.2025 से जेतपुर स्टेशन पर आगमन और प्रस्थान समय क्रमशः 20.50/2055 बजे रहेगा।

7. ट्रेन नंबर 59560 भावनगर-पोरबंदर पैसेन्जर का 19.09.2025 से राणावाव स्टेशन पर आगमन और प्रस्थान समय क्रमशः 21.12/21.20 बजे रहेगा। इसी प्रकार, ट्रेन नंबर 59557 पोरबंदर-भावनगर पैसेन्जर का 19.09.2025 से राणावाव स्टेशन पर आगमन और प्रस्थान समय क्रमशः 07.39/07.40 बजे रहेगा।

वडोदरा डिवीजन स्पोर्ट्स एसोसिएशन द्वारा 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान अंतर्गत मैराथन का सफल आयोजन

(जीएनएस)।

'स्वच्छता ही सेवा' (रह्र) 2025 पूरे देश में 17 सितम्बर से प्रारंभ हुआ, जो 2 अक्टूबर, 2025 को गांधी जयंती के अवसर पर समाप्त होगा। इस वर्ष के अभियान का थीम 'स्वच्छोत्सव' रखा गया है। इस अभियान में कार्यस्थलों, आवासीय क्षेत्रों और सार्वजनिक स्थानों की सफाई, सफाई मित्रों का स्वास्थ्य और सुरक्षा, पर्यावरण मित्र एवं शून्य अपशिष्ट कार्यक्रम और स्वच्छता के प्रति व्यापक जन जागरूकता पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

इसी कड़ी में वडोदरा डिवीजन स्पोर्ट्स एसोसिएशन द्वारा आज एक भव्य मैराथन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डिवीजन के अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और उन्होंने उत्साहपूर्वक भाग लेकर स्वस्थ जीवन तथा स्वच्छता का सशक्त संदेश दिया।

प्रतापनगर स्थित डीआरएम कार्यालय से मैराथन का शुभारंभ हरी झंडी दिखाकर किया गया। यह मैराथन शहर के प्रमुख मार्गों से होती हुई पुनः मंडल कार्यालय पर संपन्न हुई। आयोजन के दौरान प्रतिभागियों ने सामूहिक रूप से संकल्प लिया कि वे स्वच्छता को अपने दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाएँगे।

इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों ने कहा कि स्वच्छता केवल एक अभियान नहीं बल्कि जीवन जीने का तरीका है। ऐसे आयोजन से न केवल स्वास्थ्य और फिटनेस को प्रोत्साहन मिलता है, बल्कि सामूहिक सहभागिता और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना भी मजबूत होती है। 'स्वच्छ भारत' का सपना तभी साकार होगा जब प्रत्येक नागरिक इसे व्यक्तिगत जिम्मेदारी मानकर अपना योगदान देगा।

वडोदरा मंडल स्पोर्ट्स एसोसिएशन ने इस आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी प्रतिभागियों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

'स्वच्छता ही सेवा - 2025' अभियान अंतर्गत अहमदाबाद मंडल पर वॉकाथन का आयोजन

पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल द्वारा 17 सितम्बर 2025 से 02 अक्टूबर 2025 तक 'स्वच्छता ही सेवा - 2025' अभियान का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में आज 19 सितम्बर 2025 को मण्डल रेल प्रबंधक, अहमदाबाद श्री वेद प्रकाश के नेतृत्व में आमजन में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश प्रसारित करने हेतु 'स्वच्छोत्सव' थीम पर आधारित वॉकथन का आयोजन किया गया।

यह वॉकाथन रिवरफ्रंट पर उस्मानपुरा से शुरू हुआ और एलिसब्रिज पर समाप्त हुआ। जिसमें अहमदाबाद मण्डल के अधिकारी, कर्मचारी और उनके परिवारजन सहित 200 से अधिक लोग शामिल हुए। सभी ने स्वच्छता और सामुदायिक भावना को बढ़ावा देने के लिए उत्साहपूर्वक भाग लिया और शारीरिक फिटनेस दोनों के महत्व पर प्रकाश डाला।

गांधीनगर कैपिटल रेलवे स्टेशन पर गांधीनगर महानगरपालिका के आयुक्त श्री जे.एन. वाघेला, डिप्टी कमिश्नर श्री सुथारिया जी अपनी ऋ्टउ टीम सहित स्टेशन पर पहुंचे तथा ऋ्टउ टीम, स्टेशन अधीक्षक तथा रेलवे कर्मियों ने मिलकर स्टेशन परिसर में सक्रिय रूप से साफ-सफाई अभियान चलाया।

इस अभियान के अंतर्गत अहमदाबाद मंडल के विभिन्न लोकेशनों पर "सफाई मित्र सुरक्षा शिविर" एवं "हेल्थ चेकअप कैंप" का आयोजन किया गया। ये शिविर अहमदाबाद, साबरमती, वीरमगाम, मालिया मियाणा, ध्रांगध्रा, महेसाणा, पालनपुर रेलवे हॉस्पिटल एवं गांधीधाम में आयोजित किए गए, जहां सफाई कर्मियों की स्वास्थ्य जांच की गई एवं उन्हें सुरक्षा किट का वितरण किया गया।

शिविरों के दौरान सफाई मित्रों को कार्यस्थल पर सुरक्षा के उपायों, सुलभ स्वास्थ्य सुविधाओं एवं सामाजिक कल्याण से जुड़ी विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी प्रदान की गई।

इस अभियान के तहत अहमदाबाद मंडल के अहमदाबाद, साबरमती, वीरमगाम, मालिया मियाणा, राधनपुर,ध्रांगध्रा, महेसाणा, पालनपुर, और भुज हेल्थ यूनिट, लोकोशेड साबरमती तथा रेलवे हॉस्पिटल साबरमती व गांधीधाम में सफाई मित्र सुरक्षा शिविर हेल्थ चेकअप कैंप का आयोजन किया गया। इस दौरान 200 से अधिक सफाई मित्रों की स्वास्थ्य जांच की गई तथा सुरक्षा किट का वितरण भी किया गया। शिविर के दौरान सफाई मित्रों को कार्य के दौरान स्वयं की सुरक्षा संबंधी उपयों, सुगम स्वास्थ्य सुविधाएँ एवं सामाजिक कल्याण की योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी गई।

रेलवे बोर्ड के सदस्य (इन्फ्रास्ट्रक्चर) श्री नवीन गुलाटी का अहमदाबाद मंडल दौरा

साबरमती स्टेशन पर चल रहे विभिन्न पुनर्विकास कार्यो का किया निरीक्षण

रेलवे बोर्ड के सदस्य (इन्फ्रास्ट्रक्चर) श्री नवीन गुलाटी ने 19 सितंबर, 2025 को पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मण्डल का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने अहमदाबाद स्थित साबरमती रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया और स्टेशन पर चल रहे पुनर्विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। श्री गुलाटी ने स्टेशन परिसर में लगाए गए लघु मॉडल का अवलोकन किया, जिसमें पुनर्विकसित स्टेशन का प्रस्तावित स्वरूप दशार्या गया है। इसके अतिरिक्त उन्होंने साबरमती स्टेशन के जेल साइड क्षेत्र एवं मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट हब (टटळ्ळ) का भी निरीक्षण किया जो बहु-मॉडल परिवहन केंद्र के रूप में पुनर्विकास किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य परिवहन के आगामी और मौजूदा साधनों को एकीकृत करना है जिसमें रेलवे, सिटी मेट्रो नेटवर्क, हाई स्पीड रेल नेटवर्क, सिटी इफ्ळ बस नेटवर्क और सिटी बस सेवाएं शामिल हैं। स्टेशन परिसर को बहु-मॉडल परिवहन केंद्र के रूप में विकसित किए जाने के कारण यहां यात्रियों की आवाजाही अधिक होगी साथ ही यात्री सुविधाओं के विस्तार और निर्माण गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया गया है। श्री गुलाटी ने यह भी बताया कि साबरमती स्थित इंटीग्रेटेड कोचिंग डिपो (कळऊ) में वंदे भारत ट्रेनसेट्स के मेंटेनेंस का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है, जो वर्ष 2025 के अंत तक पूर्ण हो जाने की संभावना है। इसके बाद इस डिपो में और अधिक वंदे भारत ट्रेनों का पीरियॉडिक ओवरहॉल (ढडळ्ळ) एवं मेंटेनेंस कार्य किया जा सकेगा। उन्होंने रेलवे के भविष्य की योजनाओं की ओर संकेत करते हुए कहा कि रेलवे यात्री सुविधाओं को विश्वस्तरीय बनाने की दिशा में लगातार कार्य कर रहा है और इसके लिए आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर तथा डिजिटल तकनीकों का भरपूर उपयोग किया जा रहा है।

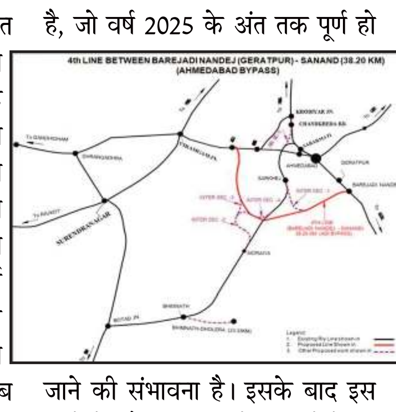

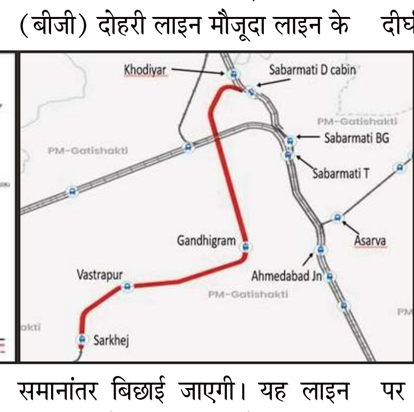

निरीक्षण के दौरान श्री गुलाटी ने मण्डल के वरिष्ठ रेल अधिकारियों के साथ अहमदाबाद मण्डल में चल रही विभिन्न रेल परियोजनाओं की प्रगति पर विस्तृत चर्चा की गई। उन्होंने जानकारी दी कि साबरमती से सरखेज के बीच प्रस्तावित नई ब्रॉड गेज रेल लाइन परियोजना स्वीकृत हो चुकी है। यह रेल लाइन भविष्य में अहमदाबाद क्षेत्र में रेल यातायात का दबाव कम करने में सहायक होगी। रेल कनेक्टिविटी को और मजबूत करेगी तथा ट्रेनों की गति में वृद्धि करने में सहायक होगी।

साबरमती-सरखेज दोहरीकरण परियोजना 21 किलोमीटर लंबे रेल मार्ग को कवर करती है, जिसके अंतर्गत साबरमती डी केबिन से सरखेज तक मौजूदा रेलवे लाइन का दोहरीकरण किया जा रहा है। यह नई ब्रॉड गेज (बीजी) दोहरी लाइन मौजूदा लाइन के समानांतर बिछाई जाएगी। यह लाइन 130 किलोमीटर प्रति घंटे की गति क्षमता के अनुरूप डिजाइन की गई है, जो इस मार्ग के भारी उपयोग और यात्री एवं माल ढुलाई—दोनों के लिए महत्वपूर्ण होगी।

यह परियोजना प्रस्तावित सरखेज-धोलेरा नई ब्रॉड गेज दोहरी लाइन के लिए एक प्रमुख प्रस्थान बिंदु के रूप में भी कार्य करेगी, जिससे क्षेत्रीय रेलवे नेटवर्क और अधिक सशक्त होगा। वर्तमान में इस मार्ग पर माल ढुलाई 2.46 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) है, जो परियोजना के चालू होने के पहले वर्ष में 4.65 एमटीपीए और ग्यारहवें वर्ष तक बढ़कर 15.05 एमटीपीए तक पहुँचने का अनुमान है। इस मार्ग में गांधीग्राम, वस्त्रापुर और सरखेज तीन स्टेशन शामिल हैं। इसके अलावा, परियोजना में 16 छोटे पुल, 13 लिमिटेड हाइट सबवे (एलएचएस), 8 लेवल क्रॉसिंग और चांदलोडिया के पास एक रेल फ्लाईओवर (आरएफओ) का निर्माण भी प्रस्तावित है।

साबरमती-सरखेज दोहरीकरण परियोजना इस क्षेत्र में रेलवे क्षमता के विस्तार और बेहतर कनेक्टिविटी की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जो मजबूत रेलवे अवसंरचना के माध्यम से दीर्घकालिक सामाजिक-आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करेगी।

अहमदाबाद बाईपास के हिस्से के रूप में बारेजड़ी नांदेज (गेरतपुर) और साणंद के बीच 38.20 किलोमीटर लंबी चौथी रेलवे लाइन का निर्माण कार्य तेजी से प्रगति पर है। इस परियोजना को ₹961.67 करोड़ की लागत से मंजूरी दी गई है। साबरमती नदी पर 30.5 मीटर लंबे 26 स्पैन वाला एक बड़ा पुल वर्तमान में निमार्णाधीन है। सिविल कार्यों के लिए दो टेंडर खोले गए हैं, जिन्हें अंतिम रूप दिया जा रहा है।

परियोजना के तहत भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया भी जारी है; पाँच गाँवों के लिए भूमि आवंटन पहले ही किया जा चुका है, जबकि शेष गाँवों के लिए अधिग्रहण प्रक्रिया अंतिम चरण में है।

यह नई रेलवे लाइन रणनीतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह पश्चिम रेलवे के सबसे व्यस्त स्टेशनों में से एक, अत्यधिक भीड़भाड़ वाले अहमदाबाद रेलवे स्टेशन को बाईपास करेगी, विशेषकर वीरमगाम-अहमदाबाद कॉरिडोर पर मालगाड़ियों की आवाजाही के संदर्भ में, मौजूदा वीरमगाम-साबरमती-अहमदाबाद-गेरतपुर खंड पर भीड़भाड़ को कम करना और क्षेत्र के रेलवे बुनियादी ढांचे में परिचालन दक्षता सुधारने के लिए आवश्यक है।

रविवार, 21 सितम्बर, 2025 को कोई दिवसकालीन ब्लॉक नहीं

पश्चिम रेलवे का वसई रोड एवं विरार स्टेशनों के बीच रात्रिकालीन ब्लॉक

मुंबई, रेलपथ, सिगनलिंग तथा ऊपरी उपस्करों के रख-रखाव हेतु पश्चिम रेलवे द्वारा वसई रोड एवं विरार स्टेशनों के बीच शनिवार/रविवार अर्थात 20/21 सितम्बर, 2025 की मध्यरात्रि के दौरान अप एवं डाउन धीमी लाइनों पर 00.15 बजे से 04.15 बजे तक चार घंटे का जम्बो ब्लॉक लिया जाएगा।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार ब्लॉक अवधि के दौरान धीमी लाइनों की सभी उपनगरीय ट्रेनों को वसई रोड एवं विरार स्टेशनों के बीच फास्ट लाइनों पर चलाया जाएगा।

ब्लॉक के दौरान कुछ उपनगरीय ट्रेनें निरस्त रहेंगी। इस संबंध में विस्तृत जानकारी संबंधित स्टेशन मास्टरों के पास उपलब्ध है।

इसलिए, पश्चिम रेलवे उपनगरीय खंड पर रविवार, 21 सितम्बर, 2025 को कोई दिवसकालीन ब्लॉक नहीं रहेगा।

स्वच्छता ही सेवा - 2025 के अंतर्गत भावनगर रेलवे मंडल के वेरावल कोचिंग डिपो में 'स्वच्छता ही सेवा ' गतिविधि का आयोजन

'स्वच्छ भारत अभियान' के तहत पश्चिम रेलवे भावनगर मंडल के वेरावल कोचिंग डिपो में स्वच्छता ही सेवा - 2025 पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इस अवसर पर दिनांक 19 सितम्बर, 2025 को वेरावल डिपो में विशेष पहल करते हुए 'हंर३ी ३ङ्क अ१३' गतिविधि का आयोजन किया गया।

भावनगर डिविजन के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अतुल कुमार त्रिपाठी ने बताया कि इस अभियान के अंतर्गत मंडल रेल प्रबंधक श्री दिनेश वर्मा की प्रेरणा से और वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता श्री एस. के. मिश्रा के मार्गदर्शन द्वारा वरिष्ठ अनुभाग अभियंता श्री अक्षय देसाई एवं उनकी टीम ने कबाड़ और अनुपयोगी रेलवे सामग्री का रचनात्मक उपयोग कर आकर्षक कलाकृतियाँ एवं उपयोगी डस्टबिन तैयार किए।

कबाड़ धातु से निर्मित प्राणी-आकृति वाला डस्टबिन कर्मचारियों एवं यात्रियों को स्वच्छता हेतु प्रेरित करता है।

वहीं, दूसरी कलाकृति में एक मानव आकृति द्वारा डस्टबिन खींचने का मॉडल तैयार किया गया, जो सामूहिक प्रयास से स्वच्छता अभियान को सफल बनाने का संदेश देता है।

इस पहल का उद्देश्य न केवल रेलवे परिसर को स्वच्छ रखना है, बल्कि स्क्रैप सामग्री का सदुपयोग कर पर्यावरण संरक्षण और नवाचार को बढ़ावा देना भी है।

वेरावल कोचिंग डिपो की यह पहल 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के मूल संदेश — 'स्वच्छता में ही सेवा है' — को सशक्त रूप से आगे बढ़ाती है।

कोंकण रेलवे की नॉन-मानसून समय सारणी के कारण 21 अक्टूबर, 2025 से कुछ ट्रेनों के समय में परिवर्तन

मुंबई, कोंकण रेलवे 21 अक्टूबर, 2025 से नॉन-मानसून समय सारणी लागू करेगा। इसके साथ ही मानसून अवधि के दौरान लागू की गई 23 जोड़ी ट्रेनों की संशोधित समय सारणी समाप्त हो जाएगी और इन ट्रेनों पर नॉन-मानसून समय सारणी प्रभावी हो जाएगी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 21 अक्टूबर, 2025 से कोंकण रेलवे खंड से ओरिजिनेट/टर्मिनेट/चलने वाली सभी मेल/एक्सप्रेस और पैसेंजर ट्रेनों के समय में परिवर्तन होगा।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh. and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI

सम्पादकीय

संघर्ष और साहस का परिचय देता है सुशीला कार्की का पिछला संघर्ष

भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और राजनीतिक विशेषाधिकारों पर गुस्से से उपजे इस आंदोलन ने दिखा दिया है कि जनता अब केवल नाराज नहीं है बल्कि वैकल्पिक राजनीति की तलाश में है। सुशीला काका का ईमानदार और निभाक अतीत युवाओं के लिए आशा का प्रतीक है लेकिन उन्हें यह उम्मीद ठोस नीतिगत कदमों के जरिए पूरी करनी होगी, केवल प्रतीकात्मक बदलाव अब पर्याप्त नहीं होंगे। नेपाल की राजनीति का परिदृश्य आज अभूतपूर्व हलचल और बदलाव के दौर से गुजर रहा है। जेन-जी की हिसक बगावत के बाद सत्ता के शिखर पर पहुंची सुशीला काका का उदय केवल एक व्यक्ति विशेष की कहानी नहीं है बल्कि यह उस पीढ़ी का सार्वजनिक घोषणापत्र है, जिसने तय कर लिया कि अब पुरानी राजनीति की अपंग परंपराओं से मुत्ति पाकर एक नया नेपाल गढ़ना ही उनका ध्येय है। नेपाल बार-बार बदलती सरकारों, टूटते गठबंधनों और भ्रष्टाचार की दलदल में पंसा रहा है लेकिन इस बार जो हुआ है, वह केवल सत्ता परिवर्तन का प्रसंग नहीं है बल्कि विचार और आचरण दोनों की निर्णायक परीक्षा है। केपी शर्मा ओली की सरकार द्वारा सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाने का कदम चिगारी साबित हुआ, जिसने युवाओं की उस आव्रोशित धारा को धधकती ज्वाला में बदल दिया, जिसे रोका नहीं जा सकता था। इस विस्फोट ने न केवल ओली को सत्ता से बेदखल किया बल्कि नेपाली राजनीति को गहरे आत्ममंथन की स्थिति में भी ला खड़ा किया। इसी अशांत वातावरण में पहली बार देश को एक ऐसी प्रधानमंत्री मिली हैं, जिनकी पहचान ईमानदारी, साहस और न्यायप्रियता है। सुशीला काका का प्रधानमंत्री पद पर आसीन होना एक ऐतिहासिक और प्रतीकात्मक घटना है। अब तक पुरुष-प्रधान राजनीति के घेरे में वैद इस देश की सत्ता के सर्वोच्च पद तक एक महिला की पहुंच केवल एक पद के बदलाव का चिन्ह नहीं है बल्कि यह गहरे सामाजिक बदलाव का संकेत भी है लेकिन इस ऐतिहासिक क्षण के भीतर अनेक विकट चुनौतियां छिपी हैं। नेपाल की सड़कों पर उबलते गुस्से को शांत करना, राज्य को हिसा की आग से बाहर निकालना और राष्ट्रीय स्थिरता बहाल करना वर्तमान अंतरिम प्रधानमंत्री की पहली और सबसे कठिन परीक्षा है। देश एक अत्यंत मुश्किल मोड़ पर खड़ा है, जहां लोकतांत्रिक आकांक्षाएं और जनता का विस्फोटित असंतोष, दोनों एक साथ सरकार की परीक्षा ले रहे हैं। जेन-जी की पांच शर्तो को मानना इस बात की निशानी है कि सत्ता का संतुलन अब पहले जैसा नहीं रहा। जनता ने स्पष्ट संदेश दे दिया है कि पुरानी राजनीति अब मान्य नहीं है। संसद के विघटन से लेकर 6 महीने के भीतर चुनाव कराने का निर्णय इस बात का प्रमाण है कि नई अंतरिम सरकार जनता की आंखों से बचकर कार्य नहीं कर सकती। सेना और नागरिक प्रतिनिधियों के मिश्रित शासन मॉडल की शर्त इस ओर संकेत करती है कि युवा अब केवल नारेबाजी से संतुष्ट नहीं होगा बल्कि वह एक ठोस और पारदशा सिस्टम की मांग कर रहा है। यही कारण है कि भ्रष्टाचार निवारक आयोग और हिसा की जांच संबंधी न्यायिक आयोग का गठन काका सरकार का पहला कदम बना। असली कसौटी यह होगी कि यह जांच और आयोग केवल औपचारिकता साबित न हों बल्कि सचमुच दोषियों को बेनकाब कर सवें। नेपाल के वर्तमान संकट को समझने के लिए बीते सात दशकों के इतिहास को देखना जरूरी है। यहां राजशाही से साम्यवाद और फिर लोकतंत्र तक के सभी प्रयोग हो चुके हैं। हर बार जनता को उम्मीदें दिखाई गईं लेकिन हर बार वे उम्मीदें ताश के पत्तों की तरह ढ़ह गईं। राजशाही निरंवुशता और पिछड़ेपन का प्रतीक रही, साम्यवाद गुटबाजी और भ्रष्टाचार में डूब गया और लोकतंत्र केवल चुनावी राजनीति तक सिमटकर रह गया। इसने जनता को निराशा के सिवाय वुछ नहीं दिया। यही कारण है कि युवा पीढ़ी आज किसी भी 'वाद' पर भरोसा नहीं करती। उसका एकमात्र आग्रह है पारर्दशिता, जवाबदेही और अवसर। यही लोकतंत्र की नई कसौटी है। सुशीला काका के अतीत को देखें तो स्वयं उनके जीवन की यात्रा भी संघर्ष और साहस का परिचय देती है।

केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान जम्मू के बाढ़ प्रभावित किसानों से मिले, खेतों में जाकर नुकसान का जायजा लिया

बाढ़ प्रभावित किसानों से बोले कृषि मंत्री- आपदा के इस क्षण में मोदी सरकार जम्मू कश्मीर के लोगों के साथ मजबूती से खड़ी है

प्रभावित लोगों के लिए कृषि और ग्रामीण विकास मंत्री ने किए राहत के कई ऐलान, बोले- किसान सम्मान निधि की राशि जल्द जारी होगी

आपदा प्रभावित क्षेत्रों में कामगारों को मनरेगा के तहत 50 दिन का अतिरिक्त काम मिलेगा- श्री शिवराज सिंह चौहान

फसल से लेकर जान-माल की हानि की होगी क्षतिपूर्ति- श्री शिवराज सिंह चौहान

(जीएनएस)।

केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण व ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज जम्मू के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। इस दौरान केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने बाढ़ प्रभावित किसानों के लिए कई घोषणाएं कीं। उन्होंने ग्राम बडयाल ब्राह्मण, आरएसपुरा, जम्मू में बाढ़ प्रभावित किसान भाई-बहनों के साथ संवाद करते हुए कहा कि केंद्र सरकार प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आपदा से किसानों को बाहर निकालेगी।

कृषि मंत्री श्री चौहान ने कहा कि गृह मंत्रालय, जल शक्ति विभाग, ग्रामीण विकास विभाग, कृषि मंत्रालय सहित सभी विभागों की टीमें यहां आई हैं। सभी टीमों ने सर्वे किया है और टीमें अपनी रिपोर्ट सौंपेंगी। नुकसान का आंकलन चल रहा है। राज्य सरकार का ज्ञापन आएगा, इसके बाद हम राहत देने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।

श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कुछ काम ऐसे हैं जो राज्य सरकार को करना है। हम आपदा में कोई राजनीति नहीं करेंगे। पहला काम है, गरीबों को संकट से बाहर करना। रेत के मामले में राज्य के स्तर पर फैसला कर लेना चाहिए कि जिसका खेत, उसकी रेत। रेत बची है, तो वही किसानों को दे दी जाए, खनन के नियम लागू न हों। किसान अपने-अपने खेतों की रेत बेचें, यह व्यवस्था होनी चाहिए।

केन्द्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन अधिनियम के अंतर्गत जो प्रावधान हैं, उनको हम लागू करेंगे। राज्य सरकार को केंद्र सरकार राशि देती है, जिसमें 75% हिस्सा केंद्र और 25% राज्य सरकार का होता है। आपदा प्रबंधन के लिए राज्य सरकार के पास लगभग 2,499 करोड़ रुपये हैं। उसका उपयोग सरकार करेगी। इसके अलावा जो जरूरत होगी, केंद्र सरकार हरसंभव मदद के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि भगवान न करे कि ऐसा हो लेकिन अगर किसी की जान चली जाती है तो आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत 4 लाख रुपये की सहायता दी जाती है। दिव्यांग होने पर भी सहायता राशि दी जाती है।

श्री चौहान ने कहा कि गाद निकालना हो तो 18 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर का प्रावधान है। पहाड़ खिसकने से नुकसान होने पर सीमांत किसानों को 47 हजार रुपये देने का प्रावधान है। मिर्च और धान जैसी फसल का नुकसान हुआ है, बीमित किसानों के नुकसान की पूरी भरपाई करने की कोशिश करेंगे। राहत की राशि के अलावा हम फसल बीमा योजना की राशि देंगे। सब्जी और बागवानी फसल के लिए सिंचित क्षेत्र में 17 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर का प्रावधान है, कृषि वानिकी के लिए 22,500 रुपये प्रति हेक्टेयर का प्रावधान है। ये राशि राज्य सरकार के द्वारा टी जायेगी। दुधारू पशु के नुकसान पर 37500 रुपये, घोड़ा और बैल के नुकसान पर 32 हजार रुपये, बछड़ा, टट्टू और खच्चर के नुकसान के लिए 20 हजार रुपये के मुआवजे का प्रावधान है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि नहर क्षतिग्रस्त हैं, तो भी बांध के लिए भी राज्य सरकार केंद्र सरकार से बात करे। कई जगह मकान टूट गए हैं। श्री शिवराज सिंह ने घोषणा करते हुए कहा कि 1 लाख 30 हजार रुपये प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मकान के लिए दिए जाएंगे। शौचालय के अलग और मनरेगा की मजदूरी के लिए 40 हजार रुपये ग्रामीण विकास विभाग देगा।

श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि 5,101 मकान की जानकारी आई है, मैं यहाँ से जाते ही इसकी स्वीकृति दे दूंगा। उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समूहों का काम यहां बहुत अच्छा है। यहां बहनों को नुकसान हुआ होगा। हम उसके लिए 76 करोड़ रुपये की राशि जारी करेंगे।

केंद्रीय मंत्री ने यह भी कहा कि सड़कों के लिए राज्य सरकार से ज्ञापन मिलने के बाद उस संबंध में भी हम व्यवस्था करेंगे। मनरेगा की मजदूरी 100 दिन की होती है, हम राज्य सरकार से अनुरोध करेंगे कि 150 दिन की मजदूरी दी जाए। श्री चौहान ने कहा कि सीमा पर रहने वाले कई किसान खेती तो कर रहे हैं, लेकिन उनका स्वामित्व नहीं है। अगर राज्य सरकार प्रमाणित कर दें, तो उन किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का पात्र बना दिया जाएगा। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि पीएम किसान सम्मान निधि की एक किश्त हम तुरंत जम्मू-कश्मीर के किसानों के खातों में डालेंगे।

श्री शिवराज सिंह चौहान ने खेतों में जाकर खराब फसलों का निरीक्षण किया। किसानों की समस्या सुनी और हरसंभव मदद का भरोसा जताया। उन्होंने कहा कि संकट बड़ा है और जब फसलें बर्बाद होती हैं तो केवल फसलें बर्बाद नहीं होती हैं। किसान की जिंदगी बर्बाद होती है, उनके बच्चों का भविष्य तबाह होता है लेकिन किसान दुःखी न हों, सरकार उनके साथ है। श्री चौहान ने कहा कि आज यहां मैं अकेला नहीं आया हूं बल्कि मेरा पूरा विभाग आया है।

श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह और केन्द्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह जम्मू कश्मीर के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर चुके हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी भी यहां की स्थिति पर चिंतित हैं। आज स्वयं मैंने देखा है कि जहां कभी फसलें लहलहा रही थीं वहां रेत के टीले जम चुके हैं। कृषि मंत्री ने कहा कि खेतों में चार से पांच फीट रेत के ढेर लग चुके हैं। रेत के अंदर फसलें दबकर बर्बाद हो गई हैं।

केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने कहा कि फसल एक बार खराब हो गई तो कई सालों तक किसान उससे उबर नहीं पाते हैं। आज उस दर्द को मैंने खेतों में जाकर देखा है। बाढ़ में पशु बह गए हैं। नुकसान बड़ा है और आपदा गहरी है और लोगों के दर्द भी गहरे हैं। लेकिन मैं विश्वास दिलाता हूं कि हम इस स्थिति से जरूर उबरेंगे और किसानों के खेतों में फिर से समृद्धि और खुशहाली आएगी।

केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कृषि मशीनरी के लिए जीएसटी सुधारों पर महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता की

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज नई दिल्ली में कृषि मशीनरी के लिए नवीनतम जीएसटी (वस्तु एवं सेवा कर) सुधारों पर चर्चा के लिए एक महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता की। ट्रैक्टर एवं मशीनीकरण संघ (टीएमए), कृषि मशीनरी निमार्ता संघ (एएमएमए), अखिल भारतीय कंबाइन निमार्ता संघ (एआईसीएमए) और पावर टिलर एसोसिएशन ऑफ इंडिया (पीटीएआई) सहित अन्य संगठनों के प्रतिनिधियों ने व्यक्तिगत और वर्चुअल माध्यम से भाग लिया।

श्री चौहान ने बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए जीएसटी दरों में कटौती के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद दिया और चर्चा का विवरण साझा किया। उन्होंने बताया कि कृषि मशीनरी पर जीएसटी, जो पहले 12 प्रतिशत और 18 प्रतिशत थी, अब घटाकर 5 प्रतिशत कर दी गई है, जो 22 सितंबर से प्रभावी होगी। उन्होंने कहा कि इस कटौती से किसानों को प्रत्यक्ष रूप से लाभ पहुंचेगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि केंद्र सरकार ने किसानों की आय में वृद्धि सुनिश्चित करने का संकल्प लिया है, जिसके लिए उत्पादकता बढ़ाने और लागत कम करने, दोनों की आवश्यकता है और दोनों लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए मशीनीकरण अत्यंत महत्वपूर्ण है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि बैठक के दौरान, मशीन निमार्ता संघों के सभी प्रतिनिधियों को बताया गया कि 22 सितंबर से लागू जीएसटी की घटी हुई दरें पूरी पारदर्शिता के साथ किसानों को सीधे लाभ पहुंचाएंगी। श्री चौहान ने कहा कि जीएसटी दरों में कमी एक बड़ा कदम है, जिसका व्यापक प्रभाव पड़ेगा। बाद में, कीमतों में हुई उल्लेखनीय कमी की ओर इंगित करते हुए उन्होंने कहा:

ए 35 एचपी ट्रैक्टर अब 41,000 रुपये सस्ता मिलेगा

ए 45 एचपी ट्रैक्टर अब 45,000 रुपये सस्ता मिलेगा

ए 50 एचपी ट्रैक्टर अब 53,000 रुपये सस्ता मिलेगा

ए 75 एचपी ट्रैक्टर अब 63,000 रुपये सस्ता मिलेगा

बागवानी और निराई-गुड़ाई में इस्तेमाल होने वाले छोटे ट्रैक्टरों की कीमत भी कम हो जाएगी। 4-पंक्ति वाला धान रोपने वाला यंत्र अब 15,400 रुपये सस्ता हो जाएगा, जबकि 4 टन प्रति घंटे की क्षमता वाला बहु-फसल थ्रेशर 14,000 रुपये सस्ता हो जाएगा। 13-एचपी पावर टिलर की कीमत भी 11,875 रुपये कम हो जाएगी।

कीमतों की कटौती में ये भी शामिल हैं:

पावर वीडर (7.5 एचपी): 5,495 रुपये सस्ता

ट्रेलर (5 टन क्षमता): 10,500 रुपये सस्ता

बीज-सह-उर्वरक ड्रिल (11 टाइन): 3,220 रुपये सस्ता

बीज-सह-उर्वरक ड्रिल (13 टाइन): 4,375 रुपये सस्ता

हार्वेस्टर कंबाइन कटर बार (14 फीट): 1,87,500 रुपये सस्ता

स्ट्रॉ रीपर (5 फीट): 21,875 रुपये सस्ता

सुपर सीडर (8 फीट): 16,875 रुपये सस्ता

हैप्पी सीडर (10 टाइन): 10,625 रुपये सस्ता

रोटावेटर (6 फीट): 7,812 रुपये सस्ता

चुनावी प्रणाली को साफ सुथरा बनाने के लिए कार्रवाई जारी चुनाव आयोग ने 474 और आरयूपीपी को सूची से हटाया

359 और आरयूपीपी को सूची से हटाने की कार्यवाही शुरू

(जीएनएस)।

देश में राजनीतिक दल (राष्ट्रीय/राज्य/आरयूपीपी) जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 29ए के प्रावधानों के तहत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) के साथ पंजीकृत हैं।

अधिनियम के प्रावधानों के तहत, किसी भी संगठन को एक बार राजनीतिक दल के रूप में पंजीकृत होने पर, प्रतीक, कर छूट आदि जैसे कुछ विशेषाधिकार और लाभ प्राप्त होते हैं।

राजनीतिक दलों के पंजीकरण के लिए दिशानिर्देशों में उल्लेख किया गया है कि यदि कोई पार्टी 6 वर्षों तक लगातार चुनाव नहीं लड़ती है, तो उसे पंजीकृत दलों की सूची से हटा दिया जाएगा।

चुनावी प्रणाली को साफ-सुथरा बनाने की एक व्यापक और सतत रणनीति के तहत, निर्वाचन आयोग 2019 से लगातार 6 वर्षों तक एक भी चुनाव लड़ने की आवश्यक शर्त को पूरा करने में विफल रहे पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों (आरयूपीपी) की पहचान करने और उन्हें सूची से हटाने के लिए एक राष्ट्रव्यापी अभ्यास कर रहा है।

इस प्रक्रिया के पहले चरण में, ईसीआई ने 9 अगस्त, 2025 को 334 आरयूपीपी को सूची से हटा दिया था।

इसी क्रम में, दूसरे चरण में, चुनाव आयोग ने 18 सितंबर, 2025 को 474 आरयूपीपी को चुनाव आयोग द्वारा लगातार 6 वर्षों तक आयोजित चुनावों में भाग न लेने के आधार पर सूची से हटा दिया। इस प्रकार, पिछले 2 महीनों में 808 आरयूपीपी को सूची से हटा दिया गया है। (अनुलग्नक-ए)

इस पहल को आगे बढ़ाने के लिए, 359 ऐसे आरयूपीपी की पहचान की गई है , जिन्होंने पिछले तीन वित्तीय वर्षों (अर्थात 2021-22, 2022-23, 2023-24) में अपने वार्षिक लेखापरीक्षित खाते निर्धारित समयावधि में प्रस्तुत नहीं किए हैं और चुनाव तो लड़े हैं, लेकिन चुनाव व्यय रिपोर्ट दाखिल नहीं की है। ये देश भर के 23 विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से हैं। (अनुलग्नक-बी)

यह सुनिश्चित करने के लिए कि किसी भी पक्ष को अनुचित रूप से सूची से बाहर न किया जाए, संबंधित राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों को इन आरयूपीपी को कारण बताओ नोटिस जारी करने का निर्देश दिया गया है, जिसके बाद संबंधित सीईओ द्वारा सुनवाई के माध्यम से पक्षों को अवसर दिया जाएगा।

ईसीआई सीईओ की रिपोर्ट के आधार पर किसी भी आरयूपीपी को सूची से हटाने पर चुनाव आयोग अंतिम निर्णय लेता है।

मॉरीशस के सूचना प्रौद्योगिकी, संचार एवं नवाचार मंत्री डॉ. अविनाश रामतोहुल ने दिल्ली में सी-डॉट परिसर का दौरा किया

सी-डॉट ने गणमान्य लोगों के समक्ष स्वदेशी उन्नत दूरसंचार समाधान एवं अन्य प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन किया

मंत्री ने सी-डॉट की प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली एवं सेल प्रसारण

समाधान, साइबर सुरक्षा और संवाद में गहरी रुचि व्यक्त की

(जीएनएस)।

मॉरीशस के सूचना प्रौद्योगिकी, संचार एवं नवाचार मंत्री, महामहिम डॉ. अविनाश रामतोहुल ने आज दिल्ली में सी-डॉट परिसर का दौरा किया। उन्होंने सी-डॉट की पूर्व चेतावनी प्रणाली एवं सेल प्रसारण समाधान में गहरी रुचि व्यक्त की जो आपदाओं के दौरान नागरिकों की जान बचाने में मदद करती हैं। उन्होंने सी-डॉट द्वारा प्रस्तुत साइबर सुरक्षा एवं संवाद समाधान का भी अवलोकन किया।

सी-डॉट के सीईओ, डॉ. राजकुमार उपाध्याय ने मॉरीशस प्रतिनिधिमंडल के समक्ष प्रमुख अनुप्रयोगों का प्रायोगिक प्रदर्शन किया जिसमें विविध दूरसंचार उत्पाद पोर्टफोलिय/समाधान शामिल हैं, जिसमें आईटीयू सीएपी प्रोटोकॉल और सेल प्रसारण समाधान का उपयोग करते हुए आपदा प्रबंधन समाधान एवं सुरक्षा संचालन केंद्र (अंतिम बिंदुओं को कवर करते हुए दुर्भावनापूर्ण खतरों एवं हमलों का वास्तविक समय में पता लगाना और उनका शमन करना), क्वांटम कुंजी वितरण, पोस्ट क्वांटम क्रिप्टोग्राफी एवं संवाद, एक सुरक्षित चैट और कॉलिंग एप्लिकेशन जैसे सुरक्षा समाधान शामिल हैं। अन्य समाधान जैसे 4जी कोर और 4जी आरएएन; 5जी कोर और 5जी आरएएन; ऑप्टिकल ट्रांसपोर्ट और एक्सेस समाधान; स्विचिंग एवं रूटिंग समाधान उनके संबंधित कार्यात्मक पहलुओं एवं उपयोग पर प्रकाश डालने के लिए मुख्य रूप से शामिल है।

अपनी यात्रा के दौरान महामहिम डॉ. अविनाश रामतोहुल ने सी-डॉट के प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली एवं सेल प्रसारक (सीबी) समाधान की सराहना की और भारत में इसके कार्यान्वयन को मान्यता दी। उन्होंने कहा कि "यह समाधान अत्यंत लाभकारी है और यह सभी नागरिकों, विशेषकर मछुआरा समुदाय, के जीवन को सुरक्षित करने में मदद करेगा। इस सहयोग ने आपातकालीन चेतावनी एवं दूरसंचार नवाचार में गहन और दूरदर्शी सहयोग के लिए मंच प्रदान किया है। मैं भारत के साथ इस सहयोग की सराहना करता हूं क्योंकि यह दशार्ता है कि दूरसंचार में विश्वसनीय साझेदारी कैसे नवाचार एवं राष्ट्रीय विकास को गति प्रदान कर सकती है।"

मंत्री के साथ मॉरीशस टेलीकॉम के जी.ओ.एस.के. अध्यक्ष श्री शरत दत्त लालाह भी मौजूद थे। उन्होंने सी-डॉट के अनुसंधान एवं विकास प्रयासों की सराहना की और पारस्परिक लाभ के लिए भविष्योन्मुखी एवं अत्याधुनिक दूरसंचार समाधानों के विकास पर व्यापक सहयोग की बात की।

सी-डॉट के सीईओ डॉ. राजकुमार उपाध्याय ने कहा, "मॉरीशस के साथ हमारा सहयोग हमारी इस साझा मान्यता को दशार्ता है कि प्रौद्योगिकी को राष्ट्रों के बीच एक सेतु का काम करना चाहिए, समाजों को सशक्त बनाना चाहिए एवं एक सुरक्षित डिजिटल भविष्य को आकार देना चाहिए। इस प्रकार की साझेदारियां डिजिटल संप्रभुता को मजबूत करने एवं समावेशी विकास को बढ़ावा देने वाले समाधानों के सह-निर्माण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता दशार्ती हैं।"

सी-डॉट, दूरसंचार विभाग, संचार मंत्रालय, भारत सरकार का एक प्रमुख दूरसंचार अनुसंधान एवं विकास केंद्र है जो स्वदेशी, सुरक्षित दूरसंचार समाधान विकसित करने में सक्रिय रूप से काम करता है। पिछले चार दशकों में सी-डॉट भारत की दूरसंचार क्रांति में सबसे अग्रणी रहा है, जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों में संपर्क स्थापित करना, महत्वाकांक्षी भारतनेट (एनओएफएन) परियोजना को शक्ति प्रदान करना और साइबर सुरक्षा, आपदा प्रबंधन, 4जी/5जी, अगली पीढ़ी के नेटवर्क, एआई, नेटवर्क प्रबंधन प्रणाली, आईओटी/एम2एम अनुप्रयोगों आदि में अत्याधुनिक समाधान प्रदान करना शामिल है। इसने 6जी के उपयोग पर अन्वेषणात्मक अनुसंधान भी शुरू किया है जो भारत को अगली पीढ़ी के संपर्क में वैश्विक नेता के रूप में स्थापित करने के दृष्टिकोण के साथ संरेखित है और आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण से मेल खाता है।

सी-डॉट बोर्ड के सदस्यों के साथ मॉरीशस के सूचना प्रौद्योगिकी, संचार एवं नवाचार मंत्री महामहिम डॉ. अविनाश रामतोहुल और मॉरीशस दूरसंचार के जी.ओ.एस.के. अध्यक्ष श्री शरत दत्त लालाह

सी-डॉट बोर्ड के सदस्यों के साथ मॉरीशस के सूचना प्रौद्योगिकी, संचार एवं नवाचार मंत्री महामहिम डॉ. अविनाश रामतोहुल और मॉरीशस दूरसंचार के जी.ओ.एस.के. अध्यक्ष श्री शरत दत्त लालाह

डॉ. राजकुमार उपाध्याय मॉरीशस के सूचना प्रौद्योगिकी, संचार एवं नवाचार मंत्री महामहिम डॉ. अविनाश रामतोहुल को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए

डॉ. राजकुमार उपाध्याय, मॉरीशस टेलीकॉम के जी.ओ.एस.के. अध्यक्ष, श्री शरत दत्त लालाह को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए

डॉ. राजकुमार उपाध्याय, मॉरीशस के सूचना प्रौद्योगिकी, संचार एवं नवाचार मंत्री, महामहिम डॉ. अविनाश रामतोहुल और मॉरीशस टेलीकॉम के जी.ओ.एस.के. अध्यक्ष, श्री शरत दत्त लालाह को सी-डॉट समाधानों की जानकारी प्रदान करते हुए

डॉ. राजकुमार उपाध्याय, मॉरीशस के सूचना प्रौद्योगिकी, संचार एवं नवाचार मंत्री, महामहिम डॉ. अविनाश रामतोहुल और मॉरीशस टेलीकॉम के जी.ओ.एस.के. अध्यक्ष, श्री शरत दत्त लालाह को सी-डॉट के ईएसओसी समाधान से अवगत कराते हुए

डॉ. राजकुमार उपाध्याय, मॉरीशस के सूचना प्रौद्योगिकी, संचार एवं नवाचार मंत्री, महामहिम डॉ. अविनाश रामतोहुल और मॉरीशस टेलीकॉम के जी.ओ.एस.के. अध्यक्ष, श्री शरत दत्त लालाह को सी-डॉट के आपदा प्रबंधन समाधान की जानकारी प्रदान करते हुए

भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौते पर तीसरे दौर की वार्ता क्वीन्सटाउन में संपन्न

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन के दृष्टिकोण से प्रेरित एफटीए वार्ता

वित्त वर्ष 2024-25 में भारत-न्यूजीलैंड व्यापार में 49 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज; एफटीए से आर्थिक संबंधों को और बढ़ावा मिलने की उम्मीद

(जीएनएस)।

भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर तीसरे दौर की वार्ता 19 सितंबर, 2025 को क्वीन्सटाउन, न्यूजीलैंड में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस दौरान चर्चा से आर्थिक संबंधों को मजबूत करने और संतुलित एवं पारस्परिक रूप से लाभकारी समझौते पर शीघ्र निष्कर्ष निकालने की दिशा में काम करने की दोनों देशों की साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि की गई।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री माननीय क्रिस्टोफर लक्सन के दृष्टिकोण से प्रेरित, वाताओं में द्विपक्षीय व्यापार, निवेश और आर्थिक सहयोग को गहरा

करने का साझा संकल्प परिलक्षित हुआ। एफटीए औपचारिक रूप से 16 मार्च, 2025 को केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल और न्यूजीलैंड के व्यापार एवं निवेश मंत्री श्री टॉड मैक्ले की बैठक के दौरान शुरू किया गया।

15 से 19 सितंबर, 2025 तक आयोजित तीसरे दौर में समझौते के सभी क्षेत्रों पर रचनात्मक चर्चा हुई। कई अध्याय पूरे हुए और अन्य प्रमुख क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति हुई।

वित्त वर्ष 2024-25 में न्यूजीलैंड के साथ भारत का द्विपक्षीय व्यापारिक व्यापार 1.3 बिलियन अमेरिकी डॉलर रहा, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 49 प्रतिशत की वृद्धि दशार्ता है। प्रस्तावित एफटीए से व्यापार प्रवाह को और बढ़ावा मिलने, निवेश संबंधों को बढ़ावा मिलने, आपूर्ति श्रृंखला के लचीलेपन को मजबूत करने और दोनों देशों में व्यवसायों के लिए विश्वसनीय ढांचा तैयार होने की उम्मीद है।

दोनों पक्षों ने अंतर-सत्रीय वाताओं के माध्यम से गति बनाए रखने पर सहमति व्यक्त की। आमने-सामने की वार्ता का अगला दौर 13-14 अक्टूबर, 2025 को नई दिल्ली में आयोजित होने वाला है।

मिर्जापुर में 'यशोदा एआई' ने खोली छात्रों के लिए नई डिजिटल राहें

छात्रों को दिया गया AI जागरूकता और डिजिटल सुरक्षा का ज्ञान

मिजार्पुर, 19 सितम्बर 2025: शिक्षा में टेक्नोलॉजी के समावेश को मजबूत बनाने के अपने सतत प्रयासों के तहत राष्ट्रीय महिला आयोग (NCW) ने अपने फ्लैगशिप प्रोग्राम यशोदा अक के तहत फ्यूचर शिफ्ट लैब्स (FSL) के सहयोग से जी.डी. बिनानी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मिजार्पुर में 18 सितम्बर 2025 को एक विशेष वर्कशॉप का आयोजन किया। इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) की बदलती भूमिका और उसके सकारात्मक प्रभावों के साथ-साथ संभावित दुरुपयोग के खतरों से अवगत कराना था।

वर्कशॉप में कॉलेज के सैंकड़ों छात्र-छात्राओं को विशेष रूप से अक किस तरह शिक्षा, रोजगार और समाज को बदल रहा है, अक के दुरूपयोगों से बचने जैसे – ऑनलाइन उत्पीड़न, साइबर धोखाधड़ी, फेक न्यूज और डिजिटल अधिकारों की सुरक्षा और टेक्नोलॉजी का जिम्मेदारी से उपयोग जैसे विषयों पर विस्तृत जानकारी प्राप्त हुई।

वर्कशॉप के मुख्य विषय:

- शिक्षा और करियर में अक की बढ़ती भूमिका
- डिजिटल अधिकारों की रक्षा के साथ-साथ महिलाओं की ऑनलाइन सुरक्षा

- अक के प्रयोग में नैतिक चिंताएँ: गोपनीयता, निष्पक्षता और पक्षपात
- चैटजीपीटी और एनसीडब्ल्यू वूमन सेफ्टी ऐप जैसे टूल्स का व्यावहारिक प्रयोग

वर्कशॉप केवल लेक्चर तक सीमित न रहकर इंटरएक्टिव रूप में आयोजित की गई, जिसमें विद्यार्थियों को केस डिस्कशन,डिजिटल एक्सरसाइज और लाइव डेमो में खुद हिस्सा लेने का मौका मिला। वर्कशॉप का उद्देश्य विद्यार्थियों में आलोचनात्मक सोच विकसित करना था, जिससे वह सही सवाल पूछें, सोचने का नजरिया विकसित करें और डिजिटल दुनिया में आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ सकें।

इस अवसर पर राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्षा श्रीमती विजया राहटकर ने कहा कि 'वास्तविक प्रगति केवल तकनीक की उन्नति नहीं, बल्कि उसे जिम्मेदारी और उद्देश्यपूर्ण ढंग से उपयोग करने की क्षमता है। जब हम छात्रों को सोच-समझकर अक का उपयोग करना सिखाते हैं, तो हम एक ऐसी पीढ़ी तैयार कर रहे हैं, जो अधिकारों की रक्षा करेगी, न्याय को मजबूत बनाएगी और जागरूक व समान समाज की नींव रखेगीह्व

फ्यूचर शिफ्ट लैब्स के निदेशक श्री नितिन नारंग ने कहा कि 'यशोदा अक केवल एक कार्यक्रम मात्र नहीं बल्कि यह भारत के युवाओं में डिजिटल क्षमता और नैतिक जागरूकता विकसित करने का राष्ट्रीय मिशन है। हमारा उद्देश्य है कि विद्यार्थी अक ज्ञान को जिम्मेदारी और सुरक्षित दृष्टिकोण के साथ अपनाएं ताकि वे भविष्य में ऐसे नेतृत्वकर्ता बन सकें जो एक जागरूक, समावेशी और सुरक्षित डिजिटल भविष्य का निर्माण करें ह्व

यह यशोदा अक का मिजार्पुर में पहला कार्यक्रम था, जो पूरे देश में छात्रों और समाज तक डिजिटल साक्षरता एवं साइबर सुरक्षा पहुंचाने के लक्ष्य की दिशा में एक अहम कदम है।

आयोजक :

राष्ट्रीय महिला आयोग (ठउह) भारत सरकार की शीर्ष वैधानिक संस्था है, जो महिलाओं के अधिकारों और कल्याण के लिए कार्यरत है। यशोदा अक एनसीडब्ल्यू की एक पहल है, जिसका उद्देश्य स्कूलों, कॉलेजों और समाज में डिजिटल साक्षरता और साइबर सुरक्षा को बढ़ावा देना है।

फ्यूचर शिफ्ट लैब्स (ऋछ) समावेशी और डिजिटल इकोसिस्टम बनाने के लिए कार्यरत एक इनोवेशन लैब है। यशोदा अक पहल का नेतृत्व नितिन नारंग (संस्थापक), सागर विश्नोई (सह-संस्थापक) और प्रणव द्विवेदी (कन्वीनर – यशोदा अक) कर रहे हैं।

मीडिया कवरेज, प्रेस किट या अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें:

पीएनबी ने भारतीय तटरक्षक बल के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

19 सितंबर 2025: सार्वजनिक क्षेत्र में देश के अग्रणी बैंकों में से एक पंजाब नैशनल बैंक (पीएनबी) ने 16.09.2025 को भारतीय तटरक्षक बल के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। बैंक की प्रमुख योजना " पीएनबी रक्षक प्लस" के अंतर्गत पीएनबी भारतीय तटरक्षक बल के सभी सेवारत कर्मियों और पेंशनभोगियों को उन्नत बीमा कवरेज और अन्य लाभों के साथ सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान कर रहा है।

समझौता ज्ञापन पर पीएनबी की ओर से श्री एस. पी. सिंह, महाप्रबंधक और भारतीय तटरक्षक निदेशालय की ओर से डीआईजी नरेंद्र सिंह ने पीएनबी के मुख्य महाप्रबंधक श्री सुरेश कुमार राणा और बैंक तथा भारतीय तटरक्षक बल के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए।

योजना के अंतर्गत दिए जाने वाले लाभ इस प्रकार हैं:

1. व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा – ₹100 लाख
2. सावधि जीवन बीमा – सभी अधिकारियों के लिए ₹5 लाख
3. हवाई दुर्घटना बीमा – ₹150 लाख
4. स्थायी/आंशिक दिव्यांगता कवरेज – ₹100 लाख
5. ऑपरेशन के दौरान मृत्यु के लिए अतिरिक्त कवर – ₹10 लाख

इसके अतिरिक्त रक्षक खाताधारक के आश्रितों और परिवारों को कई अन्य लाभ दिए जा रहे हैं।

बैंक हमारे समुद्री योद्धाओं के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के प्रति समर्पित है और भविष्य में भी ऐसा करना जारी रखेगा।

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन सम्मान 2025 का भव्य आयोजन

यूपी/ मेरठ, माँ सर्मिस्ता सेवा संस्कार फाउंडेशन एवं KITE ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के संयुक्त तत्वावधान में दिल्ली रोड स्थित किशन इंस्टिट्यूट ऑफ टीचर एजुकेशन में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन सम्मान – 2025ह्व का भव्य आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि प्रो. (डॉ.) सुरेन्द्र पाल ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षक समाज की आत्मा हैं, जो अपने ज्ञान और मूल्यों से राष्ट्र को दिशा प्रदान करते हैं। पूर्व आयुक्त श्री दानवीर सिंह ने भारतीय संविधान को राष्ट्र की आत्मा बताया। विशेष अतिथि श्रीमती नैना सिंह ने छात्रों को प्रेरणादायी संदेश देते हुए उनकी क्षमताओं को पहचानने और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने सभी का हृदय जीत लिया। इस अवसर पर देशभर से आए 200 से अधिक डीन, डायरेक्टर्स, प्राचार्य एवं शिक्षकों को सम्मानित किया गया।

विशेष रूप से श्रीमती स्वाधा सिन्हा, जो लखनऊ की निवासी एवं वर्तमान में दिल्ली पब्लिक स्कूल, बुलंदशहर के अंग्रेजी विभाग में कार्यरत हैं, को विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास एवं उज्ज्वल भविष्य निर्माण में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन सम्मान 2025ह्व से सम्मानित किया गया। इस उपलब्धि पर डीपीएस बुलंदशहर की प्रधानाचार्य एवं समस्त स्टाफ सदस्यों ने उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। कार्यक्रम का सफल संचालन मयंक वर्मा ने किया तथा संयोजिका डॉ. सुरक्षा बंसल ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

'जी-5' की आने वाली क्राइम थ्रिलर 'जनावर – द बीस्ट विदइन' का प्रचार करने के लिए भुवन अरोड़ा और निर्देशक शचिंद्र वत्स लखनऊ पहुँचे

लखनऊ, 19 सितम्बर 2025: अभिनेता भुवन अरोड़ा और निर्देशक शचिंद्र वत्स अपनी आने वाली ZEE5 ओरिजिनल सीरीज "जनावर – द बीस्ट विदइन" का प्रचार करने के लिए नवाबों के शहर लखनऊ पहुँचे। वहां जाकर सबसे पहले उन्होंने लखनऊ के पुलिस उप आयुक्त शशांक सिंह से मुलाकात की और साथ ही अन्य पुलिस हीरोज से मुलाकात कर फोटो खिंचवाई। भुवन अरोड़ा, जो सीरीज में एक ईमानदार पुलिस अफसर का किरदार निभा रहे हैं, उन्होंने इस दौरान उनके ऑन-स्क्रीन किरदार और असली ज़िंदगी के पुलिस वालों के बीच समानता के बारे में बताया। इसके बाद दोनों ने शहर के फिल्म फेस्टिवल में हिस्सा लिया। यहाँ उन्होंने शो से जुड़ी खास बातें बताईं और दर्शकों से मजेदार बातचीत की। यह क्राइम थ्रिलर सीरीज सिर्फ़. ZEE5 पर 26 सितम्बर 2025 को रिलीज होगी।

"जनावर – द बीस्ट विदइन" की कहानी छंद नाम के कस्बे से शुरू होती है। यहाँ हेमंत कुमार (भुवन अरोड़ा), जो एक ईमानदार पुलिस अफसर है, अपराधों के खतरनाक चंगुल में फँस जाता है। कस्बे में एक बिना सिर की लाश, गायब हुआ सोना और लापता आदमी, सब मिलकर वहां का सुकून छीन लेते हैं। हेमंत को न सिर्फ़. इस मुश्किल केस से जूझना पड़ता है, बल्कि समाज की पक्षपात भरी सोच और अपनी निजी परेशानियों से भी लड़ना पड़ता है। जैसे-जैसे राज खुलते जाते हैं, ग्राम देवता की विरासत सामने आती है, जो बताती है कि असली पहचान जन्म से नहीं, बल्कि हिम्मत से बनती है। छंद कस्बा अपने अंदर और भी कई राज छुपाए हुए है।

अपने लखनऊ आने और प्रीमियर के बारे में भुवन अरोड़ा ने बताया कि, 'लखनऊ हमेशा से मेरे दिल के करीब रहा है। यहाँ आकर जनावर – द बीस्ट विदइन का प्रचार करना इसे और भी खास बना देता है। यहाँ के लोगों का जोश, प्यार और अपनापन बेमिसाल है। यह शो मेरे लिए बहुत खास है क्योंकि इसमें एक ऐसे इंसान की ताकत और कमजोरियाँ दिखाई गई हैं, जो मुश्किल हालात में सच के लिए लड़ता है। मैं उम्मीद करता हूँ कि यहाँ के साथ – साथ पूरे देश के दर्शक हेमंत की कहानी से वैसे ही जुड़ेंगे, जैसे मैं जुड़ा हूँ।"

निर्देशक शचिंद्र वत्स ने कहा कि –'जनावर – द बीस्ट विदइन के प्रचार के लिए लखनऊ आना बहुत मायने रखता है, क्योंकि इस शहर का कहानी कहने और सिनेमा से गहरा रिश्ता है। यह शो सिर्फ़. अपराध और रहस्य की कहानी नहीं कहता, बल्कि असली पहचान, हिम्मत और हमारे फैसलों के बारे में भी बताता है, जो हमारी शख्शियत तय करता है। यहाँ के दर्शकों से हमें बहुत प्यार मिला और हम चाहेगे की ZEE5 पर उनका साथ यू ही बरकरार रहे।"

हाईवे पुलिस ने अलग-अलग स्थानों से पकड़े दो बदमाश : अवैध असलाह और कारतूस हुए बरामद

मथुरा (जीएनएस)। थाना हाईवे क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों से पुलिस ने एक बदमाश को अवैध हथियारों समेत दो बदमाश दबोच लिए। जानकारी के अनुसार थाना प्रभारी हाईवे शैलेन्द्र सिंह पुलिस टीम के साथ संदिग्धों की चेकिंग कर रहे थे। उसी दौरान उन्हें मुखबिर से सूचना मिली कि पुराने आरटीओ ऑफिस के निकट रेलवे पुल के पास एक बदमाश अवैध हथियार लेकर खड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी शैलेन्द्र सिंह पुलिस टीम के साथ वहां पहुंच गए। पुलिस को देखकर भागने का प्रयास कर रहे बदमाश तुषार पुत्र राकेश निवासी नगरिया नगला बिरखु टैंटीगांव रोड़ थाना गोंडा जिला अलीगढ़, हाल निवासी समोला टीला थाना हाईवे को घेरकर पकड़ लिया। पुलिस ने पकड़े गए शातिर के कब्जे से एक तमंचा और कारतूस बरामद किए हैं। इसीक्रम में थाना प्रभारी शैलेन्द्र सिंह और चौकी प्रभारी सतोहा दीपक नागर पुलिस टीम के साथ संदिग्धों की चेकिंग करते हुए गोवर्धन मार्ग स्थित दतिया रोड़ पर पहुंचे तो वहां खड़ा एक बदमाश, पुलिस की गाड़ी को देखते ही भागने लगा। पुलिस टीम ने भागने का प्रयास कर रहे शातिर बदमाश सचिन पुत्र गोपाल प्रसाद निवासी गांव नगला कुम्हेरिया थाना हाईवे को घेराबंदी करके दबोच लिया। पुलिस ने पकड़े गए शातिर की तलाशी ली तो उसके पास से एक तमंचा और कारतूस बरामद हुए। पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करके जेल भेज दिया है।

दिव्या खोसला और निर्देशक उमेश शुक्ला ने लखनऊ में अपनी आगामी फिल्म 'एक चतुर नार' का प्रचार किया: वह शहर जहाँ से इसकी शुरूआत हुइ

लखनऊ, अपनी आगामी फिल्म 'एक चतुर नार' की आत्मा रहे शहर का जश्न मनाते हुए, मुख्य अभिनेत्री दिव्या खोसला और प्रशंसित निर्देशक उमेश शुक्ला ने फिल्म के प्रचार के सिलसिले में लखनऊ का दौरा किया।इस आकर्षक दौरे में प्रमुख स्थानीय मीडिया संस्थानों के साथ मीडिया से बातचीत की एक श्रृंखला शामिल थी, जहाँ दिव्या और उमेश शुक्ला ने अपनी रचनात्मक यात्रा, लखनऊ में फिल्मांकन के दौरान के अनुभवों और 'एक चतुर नार' के पीछे की प्रेरणा पर चर्चा की।

दोनों ने एक लोकप्रिय लखनऊ मेट्रो स्टेशन का भी दौरा किया, जहाँ उन्होंने दैनिक यात्रियों से बातचीत की, प्रशंसकों को आश्चर्यचकित किया और प्रचार गतिविधियों में एक जीवंत, स्थानीय स्पर्श जोड़ा।टी-सीरीज प्रस्तुत करती है 'ए मेरी गो राउंड स्टूडियोज प्रोडक्शन', जिसका निर्देशन उमेश शुक्ला ने किया है और जिसका निर्माण उमेश शुक्ला, आशीष वाघ और जीशान अहमद ने किया है। दिव्या खोसला और नील नितिन मुकेश अभिनीत 'एक चतुर नार' अब सिनेमाघरों में है।

सुरीर पुलिस और स्वॉट टीम से मुठभेड़ में ईनामी बदमाश हुआ लंगड़ा : राजस्थान पुलिस ने घोषित कर रखा है 25 हजार का ईनाम

मथुरा (जीएनएस)। थाना सुरीर क्षेत्र स्थित लमतौरी के निकट सर्विस रोड़ पर सुरीर पुलिस की पुलिस और स्वॉट की 25 हजार के ईनामी बदमाश से मुठभेड़ हो गई। पुलिस की गोली लगने से ईनामी बदमाश लंगड़ा हो गया। जानकारी के अनुसार एसएसपी श्लोक कुमार के निर्देशन में थाना प्रभारी सुरीर अभय शर्मा और स्वॉट टीम प्रभारी छोटेलाल पुलिस टीम के साथ ईनामी बदमाशों की धरपकड़ के लिए अभियान चलाए हुए थे। उसी दौरान उन्हें मुखबिर से सूचना मिली कि भरतपुर (राजस्थान) से फरार चल रहा 25 हजार का ईनामी बदमाश बन्टू उर्फ बलराम पुत्र जयशिव जाट निवासी बासीखुर्द थाना सेवर जिला भरतपुर (राजस्थान) किसी घटना को अंजाम देने की फिराक में तेहरा अंडरपास के निकट लमतौरी रोड़ पर यमुना एक्सप्रेस-वे सर्विस रोड़ पर खड़ा

हुआ है। सूचना मिलते ही स्वॉट टीम प्रभारी छोटेलाल और थाना प्रभारी सुरीर अभय शर्मा पुलिस टीम में एसआई मानकचन्द्र शर्मा, एसआई अमित क़ुमार, एसआई गौरव चाहल, एसआई विनोद कुमार, एसआई मनोज कुमार, एसआई प्रबल प्रताप सिंह, एसआई रजनीश नैन, एसआई सुनीत कुमार, एसआई नितिन तेवतिया, एसआई भूपेन्द्र सिरोही, एसआई विनित दांगी, मुख्य आरक्षी अरमान अली, अवधेश कुमार, सुरजेश क़ुमार, विजय क़ुमार, हृदेश कुमार, आशीष कुमार, स्वॉट टीम के मुख्य आरक्षी हरजेंद्र सिंह, दुर्विजय सिंह, अखिल प्रताप सिंह, योगेश कुमार, आशुतोष और सुनील कुमार के साथ वहां पहुंच गए। पुलिस टीम को देखते ही ईनामी बदमाश ने फायरिंग कर दी। पुलिस टीम ने जबावी कार्रवाई की तो ईनामी बदमाश की टांग में गोली लग गई। पुलिस की गोली लगते ही ईनामी बदमाश धराशायी होकर जमीन पर गिर पड़ा। पुलिस ने घायल बदमाश को गिरफ्तार करके इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने पकड़े गए घायल बदमाश के कब्जे से एक तमंचा, कारतूस, बाइक और आईफोन बरामद किया है। पुलिस ने पकड़े गए ईनामी बदमाश के खिलाफ कार्रवाई करके जेल भेज दिया है।

छाता पुलिस ने अवैध हथियार समेत एक बदमाश दबोचा

मथुरा (जीएनएस)। थाना छाता क्षेत्र स्थित बरसाना फ्लाईओवर के पास से पुलिस ने अवैध असलाह समेत एक बदमाश को दबोच लिया। जानकारी के अनुसार थाना प्रभारी छाता कमलेश सिंह और कस्बा चौकी प्रभारी राहुल चौधरी पुलिस टीम के साथ संदिग्धों की चेकिंग कर रहे थे। उसी दौरान उन्हें मुखबिर से सूचना मिली कि बरसाना फ्लाईओवर के पास एक बदमाश अवैध हथियार लेकर खड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी कमलेश सिंह और कस्बा चौकी प्रभारी राहुल चौधरी पुलिस टीम के साथ वहां पहुंच गए। पुलिस को देखकर भागने का प्रयास कर रहे बदमाश शहजाद पुत्र बाबू निवासी आदर्श नगर कॉलोनी बरसाना रोड़ कस्बा छाता को घेरकर दबोच लिया। पुलिस ने पकड़े गए शातिर के कब्जे से एक तमंचा और कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस ने पकड़े गए आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करके जेल भेज दिया है।

रीलिज्म फिल्म्स ने प्रस्तुत की द डर्टी स्काई

ओ पी श्रीवास्तव की नई डॉक्युमेंट्री- 'अंतरिक्ष मलबे के बढ़ते संकट पर सख्त चेतावनी ।

लखनऊ, पुराने हो चुके उपग्रहों से लेके रॉकेट के टुकड़ों एयर अनियंत्रित टक्करों तक – पृथ्वी की कक्षा तकनीक का कब्रिस्तान बनती जा रही है । यह डाक्यूमेंट्री मेगा कॉन्स्टेलेशन जैसे स्टार लिंक और वनवेब द्वारा उत्पन्न भीड़भाड़ को उजागर करती है । और चेतावनी देती की अगर यह भीड़भाड़ जारी रही तो 'केसलर सिंड्रोम' जैसे भयावह हालात पैदा हो सकते हैं – जहाँ टकराव की शृंखला पृथ्वी की कक्षा को अनुपयोगी बना देगी।

यह डॉक्यूमेंटरी विश्व सरकारों, निजी अंतरिक्ष कंपनियों और विश्व नागरिकों से अपील करती है की इस बढ़ते संकट का सामान अभी करें वरना अंतरिक्ष भी धरती जैसी पर्यावरण त्रासदी का शिकार हो जाएगा ।

निर्देशक ओ पी श्रीवास्तव कहते हैं कि- 'आसमान साफ दिख सकता है लेकिन अंतरिक्ष हआर दिन गंदा होता जा रहा है – दुनिया अंतिम सीमा (फाइनल फ्रंटियर) पर कब्जे की दौड़ में है पर पीछे छोड़े जा रहे कचरे के बारे में कोई नहीं सोच रहा।'

राष्ट्रीय युवा शेफ प्रतियोगिता के पूर्वी जोन स्तर में क्षेत्रीय पाककला प्रतिभाओं का शानदार प्रदर्शन

(जीएनएस)।

पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीएचडीसीसीआई) द्वारा भारतीय पाककला संघ (आईएफसीए), पर्यटन मंत्रालय और पर्यटन एवं आतिथ्य कौशल परिषद (टीएचएससी) के सहयोग से आयोजित राष्ट्रीय युवा शेफ प्रतियोगिता (एनवाईसीसी) के पूर्वी क्षेत्र स्तर में भारत की समृद्ध पाककला विरासत ने मुख्य भूमिका निभाई। प्रतियोगिता का आयोजन 18 सितंबर 2025 को कोलकाता के इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, कैटरिंग टेक्नोलॉजी एंड एप्लाइड न्यूट्रिशन में किया गया, जिसमें पूर्वी क्षेत्र के प्रमुख आतिथ्य संस्थानों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

छह महीने तक चलने वाली यह प्रतियोगिता, क्षेत्रीय दौरों के माध्यम से पूरे देश में यात्रा करेगी और जनवरी 2026 में नई दिल्ली में एक भव्य समापन समारोह में इसका समापन होगा। चंडीगढ़ में आयोजित सफल उत्तरी क्षेत्र दौर के बाद, इसका आयोजन कोलकाता में हुआ। इसमें 11 संस्थानों ने भारतीय परंपराओं में निहित नवाचार को प्रदर्शित करते हुए लाइव कुक-ऑफ में प्रतिस्पर्धा की।

एक कड़े मुकाबले के बाद, आईएचएम कोलकाता और आईएचएम भुवनेश्वर को विजयी घोषित किया गया। ये दोनो संस्थान ग्रैंड फिनाले में पूर्वी क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करेंगे। आईसीएफएआई विश्वविद्यालय, सिक्किम को उपविजेता घोषित किया गया।

अपने पहले संस्करण में, एनवाईसीसी विशेष रूप से सरकारी, निजी, स्वतंत्र संस्थानों और विश्वविद्यालय विभागों के आतिथ्य एवं होटल प्रबंधन में विशेषज्ञता रखने वाले अंतिम वर्ष के आतिथ्य छात्रों भागीदारी कर सकते हैं। इस पहल का उद्देश्य भारतीय व्यंजनों पर केंद्रित एक मंच तैयार करना है।